RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:145 ता. 04 दिसम्बर 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

राष्ट्रपति ने म्हाडा विधेयक को मंजूरी दी

मुबंई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास अधिनियम (म्हाडा) संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि यह निर्णय राज्य और मुबंईवासी के आवास क्षेत्र के लिए एक बड़ी राहत है। विधेयक में संशोधन ने मुंबई में खतरनाक और उपकर भवनों के पुनर्विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

नए कानून के अनुसार, जिन उपकर भवनों का निर्माण रुक गया था या अधूरा रह गया था, उन्हें म्हाडा द्वारा पुनर्विकास के लिए अधिग्रहित किया जा सकता है। वर्तमान में मुंबई शहर में लगभग 56 ऐसी इमारतें हैं जिनका पुनर्विकास लंबित है या वे अधूरी रह गई हैं। अब म्हाडा के लिए ऐसे उपकर भवनों को सीधे अपने कब्जे में लेना और उनका पुनर्विकास करना संभव होगा।

इसी तरह यदि मुंबई नगर निगम ने किसी उपकर भवन को खतरनाक घोषित किया है, तो ऐसे भवन के पुनर्विकास के लिए सबसे पहले उसके मकान मालिक को मौका दिया जाएगा। यदि वह छह महीने के भीतर पुनर्विकास का प्रस्ताव दाखिल करने में विफल रहता है, तो किरायेदार को दूसरा मौका दिया जाएगा।

राज्य सरकार ने 28 जुलाई को लंबित पुनर्विकास योजना से संबंधित लंबित मामले के सभी फोटोग्राफ एवं जानकारी सहित सूचना एवं समस्त दस्तावेज भिजवाये थे।

उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी में होगी जी-20 बैठक, तैयारियां शुरू

लखनऊ। भारत ने एक दिसंबर से आधिकारिक तौर पर जी-20 की अध्यक्षता संभाल ली है। भारत की अध्यक्षता में अगले एक साल तक विभिन्न चैप्टरों पर करीब 200 बैठकें होंगी। इसमें से एक बैठक अगले साल फरवरी में उत्तर प्रदेश में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में जी-20 देशों के प्रतिनिधिमंडल के भव्य स्वागत की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने प्रदेश में आयोजित होने वाले जी-20 देशों की बैठक के मद्देनजर शनिवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक कर तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि होटल, आवास, शहर की सजावट, परिवहन, इंटरनेट कनेक्टिविटी, चिकित्सा एवं सुरक्षा आदि की समुचित व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करा ली जाएं। आयोजन स्थल, एयरपोर्ट सहित पूरे शहर की सफाई व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखा जाये। रूट की मैपिंग के साथ सिक्योरिटी प्लान तैयार कर लिया जाये। इसके अतिरिक्त एयरपोर्ट

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने प्रदेश में आयोजित होने वाले जी-20 देशों की बैठक के मद्देनजर शनिवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक कर तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि होटल, आवास, शहर की सजावट, परिवहन, इंटरनेट कनेक्टिविटी, चिकित्सा एवं सुरक्षा आदि की समुचित व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करा ली जाएं।

एवं आयोजन स्थलों पर पार्किंग के लिए स्थान चिह्नित कर लिया जाए, ताकि आगंतुकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि जी-20 देशों की बैठक में आने वाले प्रतिनिधियों को उत्तर प्रदेश की समृद्धशाली संस्कृति से परिचित कराने के लिए काशी, अयोध्या, मथुरा, आगरा और बुंदेलखंड आदि क्षेत्रों में धार्मिक एवं विरासत के स्थलों का भी भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आयोजन को सफल बनाने बेहतरीन इंतजाम का उदाहरण पेश करें।

उल्लेखनीय है कि जी-20 देशों की बैठक आगरा, लखनऊ, वाराणसी, ग्रेटर नोएडा अथवा आगरा में होना प्रस्तावित है। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम, सचिव नगर विकास रंजन कुमार सहित सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

जी-20 समूह में भारत, अमेरिका, चीन, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की सभा से पहले बम ब्लास्ट, बन बनाते हुए 3 टीएमसी कार्यकर्ताओं की मौत

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी की कांथी सभा से पहले इलाके तेज बम धमाकों से दहल उठा। कांथी के भूपतिनगर थाने इलाके में रात 10.30 बजे हुए इस बम विस्फोट में 3 लोगों की मौत हो गई। इतने बड़े बम विस्फोट से पूरे इलाके में दहशत का माहौल छा गया है। सूत्रों से पता चला है कि तृणमूल नेता समेत तीन लोगों की मौत हुई है। प्राथमिक रूप में पता चला है कि वहां बम बनाने का काम चल रहा था। सूचना मिलने पर भूपतिनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। तीन लोगों की मौत हो गई लेकिन दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर हिंसा की घटनाएं बदस्तूर जारी है। कांथी में इतने हाईप्रोफाईल नेता की जनसभा के पहले विस्फोट की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

40 किमी की दूरी पर विस्फोट-सूत्रों ने बताया कि तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी की सभा स्थल से मात्र 40 किलोमीटर दूरी पर यह ब्लास्ट हुआ। पूर्व मिदनापुर जिले के ब्लॉक-2 भगवानपुर के भूपतिनगर थाना क्षेत्र के नरयाबिला गांव में शुक्रवार रात साढ़े 10.30 के करीब हुई। मृतकों की पहचान राजकुमार मन्ना,उनके भाई देवकुमार मन्ना और विश्वजीत गायन के रूप में हुई है। राजकुमार मन्ना इलाके के तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर जाने जाते थे। इसके अलावा 2 लोग घायल हुए हैं। पश्चिम मिदनापुर के एक अस्पताल घायलों का इलाज चल रहा है।

बम बनाने के दौरान हादसा

सूत्रों के मुताबिक गांव में तृणमूल नेता के घर में बम बनाए जा रहे थे। बम बांधने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। तेज आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। विस्फोट इतना ज्यादा तीव्र था कि मौके पर ही 2 लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली में 3 और 5 दिसंबर को बंद रहेंगे सभी सरकारी स्कूल

नई दिल्ली: दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के चुनाव के मद्देनजर दिल्ली सरकार के सभी स्कूल शनिवार और सोमवार को बंद रहेंगे। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने शुक्रवार को एक सर्कुलर जारी कर यह जानकारी दी। सर्कुलर में कहा गया है, शिक्षा निदेशालय के सभी सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को सूचित किया जाता है कि एमसीडी चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर तीन दिसंबर (शनिवार) को स्कूलों में अवकाश घोषित किया जाएगा।सर्कुलर में कहा गया है कि लगभग 90 प्रतिशत स्कूल कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में तैनात रहेंगे, इसलिए सभी एमसीडी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को पांच दिसंबर को भी विद्यार्थियों के लिए स्कूल बंद करने का निर्देश दिया जाता है। हालांकि, सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि उपलब्ध शिक्षक पांच दिसंबर को ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करेंगे। सर्कुलर के मुताबिक, डीओई ने प्रधानाध्यापकों को सूचित किया है कि तीन दिसंबर की छुट्टी के एवज में 10 दिसंबर को कक्षाएं संचालित की जाएंगी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी को सीबीआई ने किया तलब, छह दिसंबर को होगी पूछताछ

हैदराबाद। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को छह दिसंबर को पूछताछ के लिए तलब किया है। कविता तेलंगाना राष्ट्र समिति की विधान परिषद सदस्य भी हैं। CBI ने कविता को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-160 के तहत नोटिस जारी किया है और छह दिसंबर को सुबह 11 बजे पूछताछ के लिए अपनी सुविधा के अनुसार उपयुक्त स्थान के बारे में बताने को कहा है।

हैदराबाद आवास पर रहेंगी मौजूद

सीबीआई द्वारा जारी नोटिस का जवाब देते हुए कविता ने एक बयान में कहा कि उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया है कि वे उनसे उनके हैदराबाद स्थित आवास पर मिल सकते हैं। कविता को भेजे नोटिस में सीबीआई ने कहा, जांच के दौरान कुछ तथ्य सामने आए हैं, जिनसे आप वाकिफ हो सकती हैं। इसलिए जांच के हित में ऐसे तथ्यों को लेकर आपसे पूछताछ जरूरी है।'

किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार-कविता

एजेंसी ने कहा है कि इस मामले में आपसे अनुरोध है कि दिनांक 6-12-2022 को सुबह 11 बजे अपनी सुविधानुसार पूछताछ के स्थान के बारे में सूचित करें। मालूम हो कि घोटाले में कथित रूप से रिश्वत लेने के मामले में दिल्ली की एक अदालत में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) द्वारा दायर रिमांड रिपोर्ट में कविता का नाम आने के बाद उन्होंने कहा था कि वह किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं।

अधिकारियों को कर दिया है सूचित

सीबीआई नोटिस मिलने के बाद कविता ने कहा कि मुझे सीआरपीसी की धारा-160 के तहत सीबीआई नोटिस जारी किया गया है, जिसमें मेरा स्पष्टीकरण मांगा गया है। मैंने अधिकारियों को सूचित कर दिया है कि मैं उनके अनुरोध के अनुसार छह दिसंबर को हैदराबाद में अपने आवास पर उनसे मिल सकती हूं।

● दिल्ली आबकारी घोटालामामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को छह दिसंबर को पूछताछ के लिए तलब किया है। सीबीआई ने कविता को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-160 के तहत नोटिस जारी किया है।

बंगाल सरकार ने कोलकाता में सभी हुक्का बार पर लगाया बैन, कैंसिल होंगे सभी लाइसेंस

कोलकाता: पश्चिम बंगाल सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव का हवाला देते हुए कोलकाता में हुक्का बार पर प्रतिबंध लगा दिया। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने शनिवार को फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि कोलकाता नगर निगम (केएमसी) शहर में हुक्का बार संचालित करने वाले रेस्तरां के लाइसेंस रद्द कर देगा। बंगाल सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव का हवाला देते हुए कोलकाता में हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। हकीम ने कहा, हमने हुक्का बार बंद करने का अनुरोध करने का फैसला किया है।

यह सभी रेस्तरां में बंद रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन को शिकायतें मिली हैं कि युवाओं को हुक्का पीने के लिए कुछ नशीले पदार्थों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस तरह के हुक्का में इस्तेमाल होने वाले रसायन स्वास्थ्य के लिए बेहद खराब हैं। इसलिए हमने उन्हें बंद करने का फैसला किया है।

मुंबई में 2 जनवरी तक कर्फ्यू जैसी पाबंदियों की क्या है वजह

मुंबई। मुंबई में अगले साल 2 जनवरी तक कर्फ्यू जैसी पाबंदियों को लेकर पुलिस ने अब बयान दिया है। सफाई देते हुए मुंबई पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में शनिवार को आई पाबंदियों वाली खबरें कोई नये आदेश का हिस्सा नहीं है। यह एक नियमित आदेश है जो हर 15 दिन में रिन्यू होता है। दरअसल, शनिवार को पुलिस ने आदेश जारी किया था कि मुंबई शहर में 2 जनवरी तक पाबंदियां रहेंगी। जिसमें पांच से अधिक लोगों के एक साथ इकट्ठा होने पर मनाही है। धारा 144 लगाते हुए पुलिस ने आदेश में कहा था कि रैली और प्रदर्शन की भी इजाजत नहीं होगी। मुंबई शहर में धारा 144 के तहत प्रतिबंध लगाए जाने की खबरों पर मुंबई पुलिस ने कहा कि यह एक आदेश है जिसे हर 15 दिनों में नवीनीकृत किया जाता है और अभी इसे 17 दिसंबर तक नवीनीकृत किया गया है। क्या यह आदेश अगले 17 दिसंबर के बाद भी जारी होगा, इस पर मुंबई पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस पर बाद में विचार किया जाएगा। अभी तक ऐसा कोई आदेश नहीं मिला है कि 2 जनवरी तक प्रतिबंध लगाया जाए। रिपोर्ट में मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि मुंबई पुलिस ने एक स्पष्टीकरण भी जारी किया। जिसमें कहा गया है, उपरोक्त नियमित आदेश हैं जो मुंबई पुलिस द्वारा साल भर जारी किए जाते हैं। 25 अक्टूबर को भी महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत गैरकानूनी विधानसभा के नियमित आदेश का नवीनीकरण किया गया था। जिसकी एक प्रति लीक हो गई थी और इसी तरह का भ्रम पैदा हो गया। गौरतलब है कि शनिवार को शुरू में कई रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया था कि मुंबई पुलिस ने शहर में शांति सुनिश्चित करने और सार्वजनिक व्यवस्था में किसी भी तरह के व्यवधान से बचने के लिए कर्फ्यू लगाया है।

पहाड़ों पर होगी बर्फबारी, लोगों को सता रहा शीत लहर का डर

नई दिल्ली। दिल्ली समेत उत्तर भारत के सभी राज्यों में अब लगातार ठंड बढ़ रही है। यूपी, दिल्ली, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में तापमान में गिरावट जारी है और लोगों को अब शीतलहर का डर सताने लगा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह के समय कोहरे की चादर लिपटी नजर आ रही है। वहीं, शाम को भी मौसम में ठंडक देखने को मिल रही है।

मौसम विभाग की मानें तो उत्तर भारत में एक ओर जहां ठंड में बढ़ोतरी होगी, वहीं दूसरी ओर दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश का दौर जारी रहेगा। इसके अलावा, पहाड़ों पर यानी हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर के कुछ इलाको में बर्फबारी भी देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने बताया कि तमिलनाडु, केरल, लक्षद्वीप और कर्नाटक में अगले 3-4 दिनों तक बारिश होगी। इतना ही नहीं, 3 दिसंबर को तमिलनाडु में भारी बारिश की संभावना है। 4 दिसंबर 2022 के आस-पास दक्षिण अंडमान सागर में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र उभरने की संभावना है। जिसके प्रभाव में 5 दिसंबर के आस-पास दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और इससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और केंद्रित होने की संभावना है। अगले 48 घंटों के दौरान बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में एक दबाव बन जाएगा। इसके बाद, इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 8 दिसंबर को तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के पास पहुंचने की संभावना है।

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम?

दिल्ली में अधिकतम तापमान 25 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी और एनसीआर के इलाकों में सुबह के समय कोहरा देखने को मिल रहा है। कई जगहों पर विजिबिलिटी काफी कम है। वहीं, प्रदूषण के स्तर में कोई सुधार होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों में मुख्य रूप से पश्चिमी विक्षोभ की संभावित गतिविधि के कारण कम सर्दी रहेगी।

यूपी-बिहार सहित इन राज्यों में मौसम का हाल

बिहार और उत्तर प्रदेश में पछुआ हवा चलने से अचानक ठंड बढ़ गई है। बिहार की राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और पूर्वी चंपारण समेत कई जिलों में तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई और ठिठुरन बढ़ गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कंपकंपी और बढ़ सकती है। वहीं, यूपी, उत्तराखंड और झारखंड में भी ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग की मानें तो आज भी तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। वहीं, दिल्ली में अगले दो-तीन दिनों तक सुबह में धुंध छाई रहेगी और दिन में धूप खिलने के आसार हैं।

आज कहां-कहां होगी बारिश

मौसम संबंधी जानकारी देने वाली वेबसाइट स्काईमेट वेदर के मुताबिक, आज तमिलनाडु और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। इतना ही नहीं, केरल में छिटपुट हल्की बारिश संभव है। इसके अलावा, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के साथ-साथ जम्मू कश्मीर के ऊपरी इलाकों में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली, मुंबई, पुणे और अहमदाबाद की वायु गुणवत्ता में कोई महत्वपूर्ण सुधार की उम्मीद नहीं है।

पंजाब के फाजिल्का में 25 किलोग्राम हेरोइन, पिस्तौल और गोला बारूद बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के फाजिल्का जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मादक पदार्थों की तस्करी के एक और प्रयास को नाकाम करते हुए शनिवार को करीब 25 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ कर्मियों ने खेप बरामद करने आए तीन से चार संदिग्धों की हरकतों को देखकर गोली चलाई, लेकिन वे भागने में सफल रहे। बीएसएफ ने कहा कि शुक्रवार देर रात 12 बजकर पांच मिनट जवानों ने चूड़ीवाला चुस्ती गांव के पास पाकिस्तानी ड्रोन के भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की आवाज सुनी। उन्होंने ड्रोन की दिशा में भी गोलियां चलाईं, जो वापस पाकिस्तान की तरफ चला गया। बीएसएफ ने ट्वीट किया, ''इलाके की तलाशी के दौरान, उन्हें हेरोइन के नौ पैकेट मिले, जिनका वजन 7.5 किलोग्राम था। इसके अलावा एक पिस्तौल, दो मैगजीन और नौ एमएम के 50 कारतूस भी मिले।'' बाद में बीएसएफ जवानों को सात और ऐसे पैकेट मिले जिनमें 17.5 किलोग्राम हेरोइन थी और इन पैकेट को भूरे रंग के शॉल में लपेटकर रखा गया था। बयान में कहा गया, ''सतर्क बीएसएफ जवानों ने एक बार फिर मादक पदार्थों की तस्करी के राष्ट्र-विरोधी तत्वों के नापाक प्रयास को विफल कर दिया।'' सोमवार को, करीब 10 किलोग्राम हेरोइन लेकर आए दो पाकिस्तानी ड्रोन को बीएसएफ ने अमृतसर और तरनतारन जिलों में भारत-पाकिस्तान सीमा पर मार गिराया था। बुधवार को, तरनतारन के खालड़ा क्षेत्र के गांव वां तारा सिंह इलाके से एक टूटा हुआ क्वाडकॉप्टर ड्रोन मिला था।

उमर खालिद और खालिद सैफी को कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े एक पथराव वाले मामले में दिल्ली की अदालत ने आज जेएनयू के पूर्व छात्र संघ के नेता उमर खालिद को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने उमर खालिद के साथ एक अन्य प्रमुख छात्र नेता खालिद सैफी को भी बरी कर दिया। छात्र नेताओं को वर्तमान में आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने के बाद न्यायिक हिरासत में रखा जा रहा है। देश की राजधानी में दंगों के परिणामस्वरूप 53 मौतें हुईं और 700 से अधिक घायल हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय ने अक्टूबर में उमर खालिद के जमानत के अनुरोध को खारिज कर दिया था। सितंबर 2020 में दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद, उमर खालिद ने हिंसा में किसी भी 卐आपराधिक भूमिका卐 या किसी अन्य संदिग्ध के साथ 卐षड्यंत्रकारी संबंध卐 होने से इनकार किया। विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने पुष्टि की कि उमर खालिद और खालिद सैफी को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला की अदालत ने इस मामले में आरोप मुक्त कर दिया है।

जेएनय के मेन गेट पर हिंदू रक्षा दल के लोगों ने लिखा- कम्युनिस्टों भारत छोड़ो, आतंकी संगठन आईएसआईएस से की तुलना

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर की दीवारों पर आपत्तिजनक, जातिवादी टिप्पणियां लिखी जाने के एक दिन बाद अब एक नया स्लोगन लिखा पाया गया है। जेएनयू छात्र संघ द्वारा कैंपस की दीवारों पर लगे आपत्तिजनक और ब्राह्मण विरोधी नारों की निंदा करने के एक दिन बाद आया है और कहा है कि जेएनयू प्रशासन इस मामले को देख रहा है। नए स्लोगन में कम्युनिस्ट विरोधी टिप्पणी लिखी गई है और इसे आईएस (इस्लामिक स्टेट) के साथ जोड़ा गया है। हिंदू रक्षा दल के सदस्यों ने कथित तौर पर कम्युनिस्टों के खिलाफ नारे लिखे। उन्होंने लिखा, 'कम्युनिस्ट भारत छोड़ो'। इसके साथ ही 'कम्युनिस्ट की तुलना आईएसआईएस' से की गई है और कहा गया कि 'जिहादी भारत छोड़ो'। हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी का कहना था कि हम केवल और केवल सनातनी हिंदू हैं। हम लोगों में केवल चार वर्ण हैं। हर हिंदू में चारों वर्ण हैं। इन्होंने हमें कहा कि भारत छोड़ो... हम इनसे भारत छुड़वाएंगे। जेएनयूएसयू ने कहा, 'यह पहली बार नहीं है कि जेएनयू में इस तरह की हरकतें की गई हैं। इस साल की शुरुआत में, जेएनयू की दीवारों पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा卐 मुस्लिम लाइव्स डोंट मैटर 卐लिखा गया था। स्पष्ट रूप से परिसर के माहौल को खराब करके परिसर की सामान्य स्थिति को बिगाड़ना था। यह पहली बार नहीं है कि विश्वविद्यालय के भीतर इस तरह की घटना हुई है।

स्वच्छ चुनाव से पहले 900 करोड़ के स्कैम का बड़ा खुलासा, 2 लाख फर्जी रजिस्ट्रेशन, 65000 मोबाइल नंबर सेम, क्या है दिल्ली का मजदूर घोटाला?

नई दिल्ली। दिल्ली में नगर निगम के चुनाव को लेकर 4 दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। एमसीडी पर कब्जे को लेकर बीजेपी, आप और कांग्रेस में घमासान जारी है। लेकिन एमसीडी में वोटिंग से पहले ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार के एक के बाद एक घोटाला सामने आ रहे हैं। अब इसी क्रम में देश की राजधानी दिल्ली में पंजीकृत 50 फीसदी से ज्यादा निर्माण मजदूर फर्जी पाए गए हैं। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने एक सर्वे में इस बात का खुलासा किया है। इसको लेकर भाजपा ने दिल्ली सरकार पर हमला बोला है। ऐसे में क्या है पूरा मामला आपको बताते हैं।

दो लाख से अधिक फंजी रजिस्ट्रेशन

एसीबी ने प्रथम दृष्टया 13,13,309 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों में से दो लाख से अधिक को फर्जी पाया। इसके बाद इसने 800 को सैंपल साइज के रूप में लिया और उनमें से 424 को 'फर्जी' पाया। उनमें कई समान मोबाइल नंबर और समान स्थानीय पते वाले और कुछ समान स्थायी पते वाले शामिल थे। प्रत्येक नंबर, जिनमें से अधिकांश या तो बंद थे या अमान्य थे। जवाब देने वालों ने कहा कि वे किसी नितिन को नहीं जानते हैं।' जब हमने लाभार्थियों से फोन पर संपर्क किया, तो वे या तो अलग-अलग रोजगार में थे या गृहस्थी में थे।

65 हजार के मोबाइल नंबर सेम

बोर्ड के साथ रजिस्ट्रेशन करने के लिए आवेदक को नियोक्ता द्वारा सत्यापित फॉर्म के साथ एक रोजगार प्रमाण पत्र जमा करना होता है। एक अधिकारी ने कहा कि एक जैसे नंबर वाले कई लाभार्थियों की जांच करने पर पता चला है कि वे दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में रह रहे थे और किसी निर्माण कार्य में शामिल नहीं रहे। 65 हजार ऐसे कंस्ट्रक्शन मजदूर ऐसे हैं, जिनका मोबाइल नम्बर एक ही है। दिल्ली श्रम विभाग में साल 2006 से 13 लाख से अधिक वर्कर्स की रजिस्ट्री हुई है। 2018 से इसमें 10 लाख रजिस्ट्री हुई हैं। इसको लेकर शिकायत आई है कि इसमें करोड़ों का घपला हो रहा है। आरोप है कि इसमें घोस्ट रजिस्ट्री हुई हैं।

केजरीवाल सरकार ने खर्च किए थे 350 करोड़

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2 नवंबर 2022 को घोषणा की कि दिल्ली सरकार बोर्ड से पंजीकृत लगभग 10 लाख श्रमिकों को 5000 रुपए सहायता राशि देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण को लेकर निर्माण कार्य पर रोक है, इसलिए ये सहायता राशि दी जा रही है। इस सहायता राशि पर 5000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पिछले साल कोविड के दौरान केजरीवाल सरकार ने इस मद से 350 करोड़ रुपए खर्च किए थे।

गुजरात चुनाव: गुजरात में दूसरे चरण के चुनाव के लिए प्रचार खत्म, 93 सीटों पर 5 दिसंबर को होगी वोटिंग

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में दूसरे चरण के चुनाव के लिए प्रचार खत्म हो गया है। दूसरे चरण में 93 सीटों पर प्रचार समाप्त हो गया है। 5 दिसंबर को दूसरे चरण के लिए 93 सीटों पर वोटिंग कराई जाएगी। इसको लेकर अब मतदान की तैयारियां शुरू हो गई है। दूसरे चरण में गुजरात के 14 जिलों की 93 सीटों पर वोटिंग होगी। चुनाव आयोग की ओर से बताया गया है कि दूसरे चरण के मतदान में 61 राजनीतिक पार्टियों के 883 उम्मीदवार भाग ले रहे हैं। गुजरात की मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी भारती ने कहा कि इसमें कुल मतदाता 2,51,58,730 हैं जिसमें से पुरुष मतदाता 1,29,26,501 हैं,महिला मतदाता 1,22,31,335 हैं और अन्य मतदाता 894 हैं। मतदान के लिए 26,409 मतदान केंद्र हैं।

पी भारती ने आगे बताया कि हम इसमें 37,432 बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट 36,157 और VVPAT 40,066 इस्तेमाल कर रहे हैं। मतदान कर्मचारियों की संख्या 1,13,325 हैं। आपको बता दें कि गुजरात में पहले चरण का चुनाव 1 दिसंबर को ही खत्म हो गया है। 1 दिसंबर को 89 सीटों पर वोटिंग हुई थी। गुजरात चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को आएंगे। गुजरात में भाजपा आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच मुख्य रूप से मुकाबला है। सभी राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी ताकत झोंकी है। पिछले 27 सालों से सत्ता में काबिज भाजपा की ओर से जबरदस्त तरीके से प्रचार किया गया है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में 31 से ज्यादा जनसभाओं को संबोधित किया जबकि तीन मेगा रोड शो भी किया है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भी भाजपा ने अपनी पूरी ताकत दिखाई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आज चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। गुजरात में इस बार त्रिकोणीय मुकाबले की संभावनाएं जताई जा रही है।

पिछले चुनाव में पाटीदार आंदोलन की वजह से भाजपा के लिए राह थोड़ी कठिन हो गई थी। हालांकि, इस बार भी पाटीदार समुदाय निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। पाटीदारों को साधने की कोशिश में भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी तीनों लगे है। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई केंद्रीय मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रचार किया। वहीं, आम आदमी पार्टी के लिए अरविंद केजरीवाल मनीष सिसोदिया और भगवंत मान जैसे नेता लगातार चुनावी प्रचार करते रहे। कांग्रेस की ओर से भी गुजरात में ताकत दिखाई गई है। हालांकि, उसके बड़े नेता प्रचार से दूर रहें। लेकिन जमीन पर उसके नेताओं ने जबरदस्त तरीके से मेहनत की है।

गुजरात में बोले योगी, मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद-नक्सलवाद से मुक्त हुआ देश, दुनिया के सामने पेश किया नया मॉडल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। भाजपा ने आज भी अपनी ताकत झोंक रखी है। गुजरात में दूसरे चरण के लिए 93 सीटों पर 5 दिसंबर को चुनाव होना है। गुजरात में आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चुनाव प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जबरदस्त तरीके से भाजपा के पक्ष में प्रचार किया और मोदी सरकार की सराहना की। योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आतंकवाद, नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। अपने बयान में योगी ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में गुजरात में एक भी दंगा नहीं हुआ। आज गुजरात विकास और समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है। दरअसल, योगी आदित्यनाथ गुजरात के खंभात में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद, नक्सलवाद समाप्त हुआ और भारत एक सुरक्षित भारत के रूप में खड़ा हुआ है। वहीं धोलका विधान सभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि आज भारत आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद से मुक्त हो गया है। ये भारत की बढ़ती हुई प्रतिष्ठा का प्रमाण है। सुरक्षित भारत का नया मॉडल दुनिया के सामने पेश किया गया है। महुधा विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के दौरान भाजपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 403 में से मात्र 2 सीट मिले हैं। राम नाम सत्य है के लिए 4 लोग चाहिए होते हैं पर कांग्रेस को 4 भी नहीं मिले। आम आदमी पार्टी को तो एक भी सीट नहीं मिली।

आपको पता था कि गुजरात में प्रचार का आज आखिरी दिन है। भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की ओर से गुजरात में पूरी ताकत लगाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 से ज्यादा चुनावी रैलियों को संबोधित किया है। इसके अलावा तीन मेगा रोड शो भी किया है। आपको बता दें कि गुजरात में 27 सालों से भाजपा सत्ता में है। एक बार फिर से सत्ता में आने को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत लगाई है। पहले चरण के लिए 89 सीटों पर मतदान 1 दिसंबर को हो चुका है। पहले चरण में 63.31त्न का मतदान हुआ है। गुजरात में चुनाव परिणाम 8 दिसंबर को आएंगे।

'दिल्ली में भ्रष्टाचार का नया मॉडल', अनुराग ठाकुर का आरोप- लालू ने चारा खाया, केजरीवाल ने मजदूरी खाई

नई दिल्ली। (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए प्रचार भले ही थम गया है। लेकिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए वार-पलटवार का दौर लगातार जारी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज साफ तौर पर अरविंद केजरीवाल की सरकार पर कई घोटालों का आरोप लगा दिया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में भ्रष्टाचार के नए मॉडल पेश किए हैं। उनकी सरकार में शराब घोटाला हुआ है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने लूटने का काम किया है। अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि जो मजदूर अपनी कमाई के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाते हैं, उनके पैसे भी अरविंद केजरीवाल खा गए। उन्होंने केजरीवाल पर साफ तौर पर मजदूरों का हक खाने का आरोप लगा दिया। अनुराग ठाकुर ने लालू यादव के साथ अरविंद केजरीवाल के फोटो को दिखाते हुए कहा कि एक और उन्होंने चारा खाया, दूसरी ओर इन्होंने मजदूरों का हक मारा। उन्होंने कहा कि बच्चों के क्लासरूम बनाने में भी घोटाला हुआ है। आम आदमी पार्टी ने सिर्फ पैसा लूटा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के नए नए मॉडल बनाए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मजदूरों के नाम पर लाखों करोड़ों का घोटाला हुआ है। झूठे नाम और पते दिए गए हैं। ठाकुर ने साथ तौर पर कहा कि कौन सा ऐसा वर्ग है जिसको अरविंद केजरीवाल जी ने छोड़ा है? भ्रष्टाचार का नया मॉडल और भ्रष्टाचार बना॒क्क का शिष्टाचार। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मजदूरों के हक को कर दिया हलाल हजारों करोड़ खा गए केजरीवाल। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह दिल्ली का लालू मॉडल है। जितने भी आंकड़े सामने आए हैं उससे पता चला है कि फर्जी पते, मोबाइल नंबर, नाम पाए गए। उन्होंने सवाल किया कि यह पैसा किस की जेब में गया? अगर मजदूर, काम देने वाला, उनके पते, मोबाईल नंबर सब नकली थे तो पैसा किसने खाया केजरीवाल जी?

बदरुद्दीन अजमल ने अपने बयान पर माफी मांगी, कहा- मेरा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईयूडीएफ अध्यक्ष और सांसद बदरुद्दीन अजमल के एक बयान को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। भाजपा बदरुद्दीन अजमल पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। हालांकि, बदरुद्दीन अजमल ने अपने दिए बयान पर माफी मांग ली है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि मेरा इरादा किसी की भावनाओं को आहत करने का नहीं था। लेकिन भाजपा लगातार बदरुद्दीन अजमल पर जबरदस्त तरीके से प्रहार कर रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि दुर्भाग्य है कि बदरुद्दीन जैसे लोग हमें गाली दे रहे हैं। 1947 में इन्हें पाकिस्तान चला जाना चाहिए था। यहां सिर्फ सनातन को मारने वाले ही रहते। अगर सनातन को मानने वाले रहते तो वह गाली नहीं देते।

दूसरी ओर बदरुद्दीन अजमल ने कहा है कि अगर मेरे शब्दों से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो मैं अपने शब्दों को वापस लेता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था। मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि सरकार अल्पसंख्यकों के साथ न्याय करें और उन्हें शिक्षा और रोजगार दे। अपने बयान में बदरुद्दीन अजमल ने कहा था कि मुस्लिम लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र में हो जाती है, लेकिन हिंदू लड़कियों की शादी 40 साल की उम्र में नहीं होती है। वे 40 साल की उम्र तक अवैध पार्टनर रखते हैं। वे बच्चे नहीं पैदा करते और पैसे बचाते हैं। लेकिन 40 साल की उम्र के बाद इनकी शादी हो जाती है। फिर आप बच्चों को कैसे स्वीकार कर सकते हैं?

इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि उन्हें (हिंदुओं को) मुस्लिम फॉर्मूले को स्वीकार करना चाहिए और अपने बच्चों की शादी 20-22 साल की उम्र में कर देनी चाहिए। 18-20 साल की उम्र में लड़कियों की शादी करा दो और फिर देखो कितने बच्चे पैदा होते हैं। भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा की ओर से पलटवार किया गया था। भाजपा के विधायक दिगंत कलिता ने बदरुद्दीन अजमल से साफ तौर पर कहा है कि अगर आपको इस तरह का बयान देना है तो बांग्लादेश में जा कर दीजिए। अपने बयान में भाजपा नेता ने कहा कि आप मुस्लिम हैं और हम लोग हिंदु हैं। क्या हमें आपसे सीखना पड़ेगा? ये भगवान राम और देवी सीता का देश है। उन्होंने कहा कि यहां बांग्लादेशी लोगों का कोई स्थान नहीं है। अगर आपको ऐसा बयान देना है तो बांग्लादेश में जाकर दें।

'धर्म के आधार पर बने पाकिस्तान चले जाते तो...', बदरुद्दीन अजमल के बयान पर बोले गिरिराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुओं को लेकर एयूआईडीएफ के प्रमुख और सांसद बदरुद्दीन अजमल के बयान पर राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। भाजपा के फायरब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि यह दुर्भाग्य है कि बदरुद्दीन अजमल जैसे लोग हमें गाली दे रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर बने पाकिस्तान में चले जाते तो हमें गालियां नहीं दे रहे होते। अपने बयान में गिरिराज सिंह ने कहा कि ये दुर्भाग्य है कि आज हमें बदरुद्दीन अजमल जैसे लोग गाली दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर आजादी के समय ये हो गया होता कि धर्म के आधार पर बने पाकिस्तान में सब लोग चले जाते और यहां सनातन को मानने वाले गैर मुस्लिम लोग रह जाते तो आज बदरुद्दीन, औवेसी हमें गालियां नहीं देते।

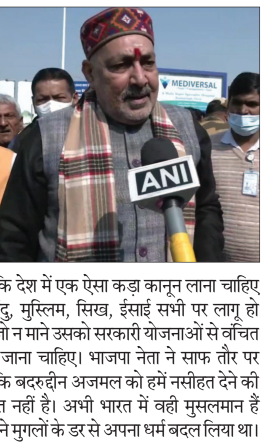

इसके साथ ही गिरिराज सिंह ने कहा कि हम जब जनसंख्या नियंत्रण की बात कर रहे हैं तो हमें नसीहत दे रहे हो। हमें नसीहत नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसा कड़ा कानून लाना चाहिए जो हिंदु, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी पर लागू हो और जो न माने उसको सरकारी योजनाओं से वंचित किया जाना चाहिए। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि बदरुद्दीन अजमल को हमें नसीहत देने की जरूरत नहीं है। अभी भारत में वही मुसलमान हैं जिन्होंने मुगलों के डर से अपना धर्म बदल लिया था। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म सदैव प्रेम की पूजा होती रही है। हालांकि बदरुद्दीन अजमल ने अपने बयान पर माफी मांग ली थी। उन्होंने कहा था कि मेरा इरादा किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था।

अपने बयान में बदरुद्दीन अजमल ने कहा था कि मुस्लिम लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र में हो जाती है, लेकिन हिंदू लड़कियों की शादी 40 साल की उम्र में नहीं होती है। वे 40 साल की उम्र तक अवैध पार्टनर रखते हैं। वे बच्चे नहीं पैदा करते और पैसे बचाते हैं। लेकिन 40 साल की उम्र के बाद इनकी शादी हो जाती है। फिर आप बच्चों को कैसे स्वीकार कर सकते हैं? इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि उन्हें (हिंदुओं को) मुस्लिम फॉर्मूले को स्वीकार करना चाहिए और अपने बच्चों की शादी 20-22 साल की उम्र में कर देनी चाहिए। 18-20 साल की उम्र में लड़कियों की शादी करा दो और फिर देखो कितने बच्चे पैदा होते हैं।

मैनपुरी की जनता एक बार फिर सपा को चुनने जा रही है, वोटिंग से पहले अखिलेश का दावा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी संसदीय सीट के लिए उपचुनाव पांच दिसंबर को होगा। यह उपचुनाव सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के चलते कराया जा रहा है जो मैनपुरी से सांसद थे। इस उपचुनाव में सपा ने डिंपल यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि भाजपा ने रघुराज सिंह शाक्य को मैदान में उतारा है। सपा पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी की जनता समाजवादी पार्टी को एक बार फिर चुनने जा रही है। जब भाजपा हारती है तो झूठ, फरेब, प्रशासन का सहारा लेकर आगे आ जाती है। भाजपा इस बात को जानती है कि उन्होंने मैनपुरी में कोई काम नहीं किया है। मैनपुरी का विकास समाजवादी पार्टी ने किया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी में समाजवादी पार्टी चुनाव जीतने जा रही है। जब भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ता है तो वे हम पर झूठे आरोप लगाते हैं। चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव कराना सुनिश्चित करेगा। बीजेपी ने मैनपुरी के विकास के लिए कुछ नहीं किया। मुलायम सिंह यादव ने समाजवाद का जो रास्ता दिखाया उसी रास्ते पर चलकर हम लोगों की मदद करना चाहते हैं। अखिलेश ने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा, नेताजी ने

समाजवादी आंदोलन को जिंदा किया, समाजवादी आंदोलन से ही हम गरीबों और किसानों की मदद कर पायेंगे।

कांग्रेस के गढ़ बायड में निर्दलीय उम्मीदवार की होगी अहम भूमिका

बायड (गुजरात) (एजेंसी)। गुजरात के अरावली जिले के बायड विधानसभा क्षेत्र के चुनावी नतीजे स्थानीय मुद्दों और सत्ता विरोधी लहर से ज्यादा इस बात से तय हो सकते हैं कि एक दलबदलू नेता इस सीट के पारंपरिक दावेदारों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के वोटों में कितनी सेंध लगाने की क्षमता रखते हैं। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला के बेटे महेंद्र सिंह 2012 में कांग्रेस के टिकट पर बायड से विधानसभा के लिए चुने गए थे, लेकिन बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। हालांकि इस बार महेंद्र सिंह मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उत्तर गुजरात में कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली बायड सीट पर दूसरे चरण में पांच दिसंबर को मतदान होगा। इस सीट पर मुख्य मुकाबला कांग्रेस के महेंद्र सिंह वाघेला और भाजपा प्रत्याशी भीखीबेन परमार के बीच माना जा रहा है।इस बीच, एक प्रभावशाली निर्दलीय उम्मीदवार धवलसिंह जाला सुर्खियों में छाए हुए हैं और सीट के अंतिम परिणाम में उनके द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाये जाने की संभावना है।

बायड अरावली जिले की तीन विधानसभा सीटों में से एक है और इन सभी सीटों पर 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी।इस निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 2,30,000 मतदाता हैं, जिनमें से 56 प्रतिशत ठाकोर समुदाय के हैं जबकि अनुसूचित जाति (एससी) के सात प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दो प्रतिशत और शेष मतदाता पटेल समुदाय से हैं।इस सीट के लगभग 89 प्रतिशत मतदाता ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और जिले की अर्थव्यवस्था कृषि और छोटे व्यवसायों के इर्द-गिर्द घूमती है। इलाके का ठाकोर समुदाय पिछले कई चुनावों में कांग्रेस का समर्थन करता आ रहा है, सिवाय 2007 के जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बायड सीट पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस ने 2012 में यह सीट पर फिर से अपने खाते में कर ली जब उसके उम्मीदवार महेंद्र सिंह वाघेला यहां से विधायक चुने गए थे। कांग्रेस ने 2017 में भी यह सीट बरकरार रखी जब उसके उम्मीदवार धवल सिंह जाला विजयी हुए थे। हालांकि, दोनों ही मामलों में, कांग्रेस अपने मौजूदा विधायकों को बनाए नहीं रख सकी क्योंकि वे भाजपा में चले गए। महेंद्र सिंह वाघेला ने 2019 में भाजपा का दामन थाम लिया था जबकि जाला 2019 में राज्यसभा चुनाव के बाद भाजपा में शामिल हो गए थे। दलबदल के बावजूद, कांग्रेस ने 2019 के उपचुनाव में बायड सीट बरकरार रखी थी। हालांकि महेंद्र सिंह वाघेला पिछले महीने ही कांग्रेस में लौट आए और इस बार वह बायड से ही चुनाव लड़ रहे हैं। गुजरात की राजनीति एक प्रमुख नेता शंकर सिंह वाघेला खुद बायड निर्वाचन क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं और अपने बेटे के निर्वाचित होने की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए प्रचार कर रहे हैं।

महेंद्र सिंह वाघेला ने कहा, ''मुझे अपनी पार्टी के लिए यह सीट बरकरार रखने का भरोसा है। गुजरात के लोग भाजपा के कुशासन से तंग आ चुके हैं और वे बदलाव चाहते हैं।'' भाजपा विकास के मुद्दे पर प्रचार कर रही और उसे इस सीट पर जीत की उम्मीद है। भाजपा प्रत्याशी भीखीबेन परमार ने कहा, ''कांग्रेस ने पिछले 10 वर्षों में इस निर्वाचन क्षेत्र (बायड)

के लिए कुछ भी नहीं किया है। यहां के किसान मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। क्षेत्र का विकास भाजपा ही कर सकती है।'' हालांकि, जीत की कुंजी धवलसिंह जाला के पास लगती है, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं और गुजरात क्षत्रिय ठाकोर सेना के उपाध्यक्ष हैं। यह संगठन ठाकोर समुदाय के अधिकारों का हिमायती है।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को मिला पद्म भूषण सम्मान, कहा- भारतीय पहचान रहती है साथ

वाशिंगटन। (एजेंसी)। गूगल और अल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने कहा है कि वह हमेशा खुद को भारत से जुड़ा हुआ महसूस करते हैं और जहां कहीं भी जाते हैं अपनी भारतीय पहचान को साथ लेकर जाते हैं। पिचाई ने यह बात भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से नवाजे जाने के अवसर पर कही।

पिचाई ने कहा कि भारत मेरा एक हिस्सा है और मैं जहां कहीं भी जाता हूं इसे अपने साथ लेकर जाता हूं। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक पिचाई को व्यापार और उद्योग श्रेणी में वर्ष 2022 के लिए पद्म भूषण से नवाजा गया। उन्हें यह सम्मान अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने प्रदान किया।

पिचाई को शुक्रवार को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में उनके परिवार के करीबी सदस्यों की उपस्थिति में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। तमिलनाडु के मदुरै में जन्मे पिचाई का नाम उन 17 लोगों की सूची में था, जिन्हें इस सम्मान से नवाजा गया। पिचाई (50) ने अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू से यह सम्मान स्वीकार करते हुए कहा, ''मैं इस सम्मान के लिए भारत सरकार और भारत के लोगों का हृदय से आभारी हूं।

भारत मेरा एक हिस्सा है, और मैं गूगल तथा भारत के बीच महान साझेदारी को जारी रखने की आशा करता हूं, क्योंकि हम अधिक लोगों तक प्रौद्योगिकी के लाभ पहुंचाने के लिए मिलकर काम करते हैं।'' गूगल के सीईओ ने कहा, ''भारत मेरा एक हिस्सा है और मैं जहां भी जाता हूं इसे अपने साथ ले जाता हूं। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मैं एक ऐसे परिवार में पला-बढ़ा, जहां सीखने और ज्ञान प्राप्त करने की इच्छाशक्ति को महत्व देकर इसे संजोया गया।

मेरे माता-पिता ने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत त्याग किया कि मुझे अपनी रुचियों के अनुरूप अपना करियर बनाने के अवसर मिलें।'' पिचाई ने कहा कि इस खूबसूरत पुरस्कार को वह कहीं सुरक्षित रखेंगे। उन्हें सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह के दौरान सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत टी वी नागेंद्र प्रसाद भी मौजूद थे। संधू ने कहा कि पिचाई परिवर्तन के लिए प्रौद्योगिकी की असीम संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। संधू ने कहा,''सुंदर पिचाई दुनिया के विभिन्न हिस्सों में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल उपकरण और कौशल को सुलभ बनाने की दिशा में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 3-एस- गति (स्पीड), सरलता (सिंप्लिसिटी) और सेवा (सर्विस) को संयोजित करने वाली प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए संधू ने आशा व्यक्त की कि गूगल भारत में हो रही डिजिटल क्रांति का पूरा उपयोग करेगा।

पिचाई ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में कई बार भारत जाने का मौका मिला और वहां तकनीकी परिवर्तन की तीव्र गति को देखना एक आश्चर्यजनक अनुभव रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली से लेकर आवाज प्रौद्योगिकी तक जैसे नवाचार दुनिया भर के लोगों को लाभान्वित कर रहे हैं। गूगल के सीईओ ने कहा, ''मैं गूगल और भारत के बीच महान साझेदारी को जारी रखने की आशा करता हूं, क्योंकि हम प्रौद्योगिकी के लाभों को अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए मिलकर काम करते हैं। '' पिचाई ने कहा कि व्यावसायिक क्षेत्र डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन का लाभ उठा रहे हैं, और पहले से कहीं अधिक लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी का डिजिटल इंडिया का दृष्टिकोण निश्चित रूप से उस प्रगति को गति देने वाला रहा है और मुझे गर्व है कि गूगल दो परिवर्तनकारी दशकों में सरकारों, व्यवसायों और समुदायों के साथ भागीदारी करते हुए भारत में निवेश करना जारी रखे हुए है।'' पिचाई ने कहा, ''हमारे दरवाजे

पर आई हर नयी तकनीक ने हमारे जीवन को बेहतर बनाया है। और उस अनुभव ने मुझे गूगल के रास्ते पर और दुनिया भर के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने वाली तकनीक बनाने में मदद करने का मौका दिया है। '' भारत के जी-20 समूह की अध्यक्षता हासिल करने पर पिचाई ने कहा, ''यह खुले, सुरक्षित और सभी के लिए काम करने वाले इंटरनेट को आगे बढ़ाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर आम सहमति बनाने का एक अद्भुत अवसर है।

यह एक लक्ष्य है जिसे हम साझा करते हैं, और आपके साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' भारत की जी-20 की अध्यक्षता का कार्यकाल आधिकारिक तौर पर बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। गौरतलब है कि गूगल ने इस वर्ष मशीन लर्निंग में एक नयी प्रगति का उपयोग करते हुए अपनी अनुवाद सेवा में 24 नयी भाषाएं जोड़ीं, जिनमें से आठ भारत की मूल भाषाएं हैं।

मस्क की 'ट्विटर फाइल्स' अमेरिकी राजनीति में मच सकता है बवाल, क्यों सेंसर हुई बाइडेन के बेटे के कारनामों की कहानी? विजया गाड्डे ने रचा था सारा 'खेल'

वाशिंगटन। ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन के कारनामों की जानकारी देने की घोषणा करके दुनियाभरमें सनसनी मचा दी है। उन्होंने बताया कि माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर साल 2020 में टीम बाइडेन के दबाव में इस रिपोर्ट को दबाया गया था। 2 दिसंबर की शाम को ट्विटर के नए मालिक ने आंतरिक 'ट्विटर फाइल्स' जारी करते हुए बताया कि कंपनी ने 2020 के चुनाव के दौरान 'टीम बाइडेन' के एक अनुरोध का जवाब दिया। मस्क ने स्वतंत्र पत्रकार और लेखक मैट टैबी के अकाउंट का लिंक ट्वीट किया, जिन्होंने हंटर बिडेन की लैपटॉप स्टोरी के सेंसरशिप के पीछे के फैसले के बारे में कहानी का खुलासा करते हुए ट्वीट्स की एक सीरिज पोस्ट की। ट्विटर पर पारदर्शिता लाने की पहल कर रहे मस्क ने इसके छिपे रहस्यों को ट्विटर पर उजागर किया। उन्होंने ट्विट करते हुए कहा कि ये शानदार होगा, इसके कुछ देर बाद हंटर लैपटॉप स्टोरी का पूरा किस्सा उजागर कर दिया। उन्होंने कहा कि ट्विटर फ़ाइलें卐 दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में से एक के अंदर से एक अविश्वसनीय कहानी बताती हैं। यह एक मानव निर्मित तंत्र की एक फ्रेंकस्टीनियन कहानी है जो इसके डिजाइनर के नियंत्रण से विकसित हुई है। मस्क ने कहा कि साल 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान कंपनी ने रिपोर्ट को हटाने के टीम बाइडेन के आग्रह को मान लिया था। द न्यूयॉर्क पोस्ट ने ये मीडिया रिपोर्ट हंटर बाइडेन के लैपटॉप से रिकवर किए गए ईमेल पर तैयार किया था। इस स्टोरी को लेकर रूसी हैकिंग की बात कही है और कहा गया कि एफबीआई ने इसे हटाने के लिए दबाव डाला था। स्वतंत्र पत्रकार और लेखक मैट टैबी इसे 'द ट्विटर फाइल्स, पार्ट वन' नाम दिया है। कंपनी ने लिंक हटा दिए और चेतावनी पोस्ट की कि यह 'असुरक्षित' हो सकता है। टैबी ने आगे कहा, 'ट्विटर ने डाइरेक्ट मैसेज के माध्यम से इसके प्रसारण को भी ब्लॉक कर दिया, जैसे कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी को किया जाता है।' मैटबी ने दावा किया कि इस सामग्री को सेंसर करने का फैसला ट्विटर के उच्चाधिकारियों ने किया था। इसमें कंपनी की पूर्व कानूनी मामलों की प्रमुख विजया गाड्डे ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

नेपाल निर्वाचन आयोग का बड़ा फैसला, सात राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया

काठमांडू। नेपाल के निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सहित सात राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया है। नेपाल में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व वोट का तीन प्रतिशत हासिल करना अनिवार्य है। 'काठमांडू पोस्ट' अखबार ने निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता गुरु प्रसाद वागले के हवाले से कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनीफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) (सीपीएन-यूएमएल), नेपाली कांग्रेस, सीपीएन (माओइस्ट सेंटर), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी), राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, जनता समाज पार्टी और जनमत पार्टी को राष्ट्रीय दल का दर्जा दिया गया है। 2017 में निर्वाचित पिछली प्रतिनिधि सभा में छह राजनीतिक दलों-नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल, सीपीएन (माओवादी सेंटर), सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट), जनता समाजबादी पार्टी और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल था। नेपाली कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए हुए सीधे चुनावों में 55 सीटें जीतकर संसदीय चुनावों में अब तक की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, विपक्षी दल सीपीएन-यूएमएल को 44 सीटों पर जीत हासिल हुई है। फिलहाल 162 सीटों के चुनाव परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान, जबकि शेष 110 आनुपातिक चुनाव प्रणाली के माध्यम से चुने जाएंगे। सरकार गठन के लिए किसी भी पार्टी को कम से कम 138 सीटों की जरूरत पड़ेगी। आनुपातिक चुनाव प्रणाली के तहत सीपीएन-यूएमएल को सबसे अधिक 27,73,999 वोट मिले हैं। इसके बाद नेपाली कांग्रेस का स्थान आता है, जिसे 26,44,241 वोट हासिल हुए हैं। इसी तरह, सीपीएन (माओवादी सेंटर) को 11,61,256 और आरएसपी को 11,19,996 वोट मिले हैं। वहीं, आरपीपी, जेएसपी और जनमत पार्टी को क्रमशः 5,85,921 वोट, 4,20,931 वोट और 3,94,345 वोट हासिल हुए हैं।

पाकिस्तान ने काबुल में अपने राजदूत पर हमले को लेकर अफगान राजनयिक को किया तलब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के प्रभारी राजदूत को तलब किया है और काबुल में उसके (पाक) मिशन प्रमुख पर हुए हमले को लेकर उनके सामने अपनी चिंता रखी। शनिवार को यह खबर सामने आयी। शुक्रवार को काबुल में पाकिस्तान के दूतावास पर हमले में (पाक राजदूत) उबैद-उर-रहमान निजमानी बाल-बाल बच गये थे। पाकिस्तान ने तत्काल इस हमले की निंदा एवं जांच की मांग की थी। निजमानी अज्ञात बंदूकधारियों के निशाने पर थे जो दूतावास परिसर में टहल रहे थे। निजमानी का सुरक्षा कर्मी हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कल देर रात जारी एक बयान में कहा कि शुक्रवार शाम को अफगान राजनयिक को तलब किया गया है और ''उस घटना को लेकर उनके सामने पाकिस्तान की चिंता रखी गयी जिसमें दूतावास प्रमुख बाल बाल बच गये '' लेकिन सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। पाकिस्तान ने बयान में कहा, '' प्रभारी दूतावास से कहा गया है कि पाकिस्तान के राजनयिक मिशन और कर्मियों की सुरक्षा अंतरिम अफगान सरकार की जिम्मेदारी है और यह घटना गंभीर सुरक्षा चूक है।'' बयान के अनुसार पाकिस्तान ने मांग की कि हमले के गुनाहगारों को तत्काल पकड़कर न्याय के शिकंजे में लाया जाए, दूतावास परिसर की सुरक्षा चूक की जांच शुरू की जाए तथा काबुल में पाकिस्तान मिशन और जलालाबाद, कांधार, हेरात एवं मजार-ए-शरीफ में पाकिस्तान के वाणिज्य दूतावासों, वहां कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाये जाएं। हमले की निंदा करते हुए प्रभारी अफगान राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के साझे दुश्मनों ने इस हमले को अंजाम दिया तथा यह कि शीर्षतम स्तर पर अफगान नेतृत्व ने इसकी निंदा की है। उन्होंने पाकिस्तान से यह भी कहा कि पाकिस्तानी राजनयिक मिशनों की सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गयी है तथा अफगान प्रशासन गुनाहगारों को न्याय के शिकंजे में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस हमले के आलोक में विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के पास अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी का फोन आया। मुत्ताकी ने निजमानी को निशाना बनाकर किये गये हमले की कड़ी निंदा की । आतंकवाद का मुकाबला करने के अफगानिस्तान के निश्चय को दोहराते हुए उन्होंने बिलावल को आश्वासन दिया कि अफगान सरकार ''इस हमले के गुनाहगारों को न्याय के शिकंजे में लायेगी।'' बिलावल ने कहा, '' अफगान सरकार को आतंकवादियों को पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के बीच रिश्ते को कमजोर करने से रोकना चाहिए। '' इस बीच, अमेरिका ने अफगानिस्तान की राजधानी में पाकिस्तानी दूतावास पर शुक्रवार को हुए हमले की निंदा की है।

रूस से आने वाले तेल पर मूल्य सीमा लगाने के यूरोपीय संघ के फैसले के साथ आया जी-7

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। रूस से आने वाले तेल पर 60 रुपये प्रति बैरल की मूल्य सीमा तय करने के फैसले में सात राष्ट्रों के समूह जी-7 और ऑस्ट्रेलिया भी यूरोपीय संघ के साथ आ गए हैं। इस कदम का उद्देश्य वैश्विक बाजारों में रूस से आने वाली तेल की आपूर्ति को जारी रखने और दाम में वृद्धि को रोकने के साथ ही यूक्रेन युद्ध के लिए धन जुटाने की राष्ट्रीय व्लादिमीर पुतिन की क्षमता को कमजोर करना है। तेल की कम कीमत तय करने के लिए सोमवार की समयसीमा निर्धारित की गई है।

जी-7 में शामिल अमीर देश यह सीमा तय कर रहे हैं और इसका उद्देश्य दुनिया को रूस से आने वाले तेल की निर्बाध आपूर्ति जारी रखना है अन्यथा दुनियाभर में ऊर्जा की कीमतें आसमान छूने लगेंगी और मुद्रास्फीति फिर और बढ़ जाएगी। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने एक बयान में कहा कि पुतिन के लिए जो राजस्व का प्राथमिक स्रोत है, इस समझौते से उस पर पाबंदी लग सकेगी तथा वैश्विक ऊर्जा आपूर्तियों में भी स्थिरता आएगी। जी-7 गठबंधन के एक संयुक्त वक्तव्य में शुक्रवार को कहा गया कि समूह अधिकतम मूल्य की उचित तरीके से समीक्षा करने और इसमें परिवर्तन करने के लिए तैयार है। रूस के कच्चे तेल के दाम हाल में 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चले गए थे। अब यूरोपीय संघ के

इसकी सीमा 60 डॉलर प्रति बैरल तय करने पर यह मौजूदा दाम के आसपास ही होगी।

यह अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड के मुकाबले काफी सस्ता है जो शुक्रवार को 85.48 डॉलर प्रति बैरल था। अमेरिका ने रूसी तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा लगाने के कदम का स्वागत करते हुए कहा है कि यह एक महत्वपूर्ण उपाय है जिससे उभरते बाजारों और कम आय वाली अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचेगा और यूक्रेन में ''बर्बर युद्ध'' करने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमी पुतिन के लिए आवश्यक धन पर भी रोक लग पाएगी। जी-7 और ऑस्ट्रेलिया द्वारा यूरोपीय संघ के इस निर्णय का साथ देने के बाद, येलेन ने कहा, ''इस मूल्य सीमा का लाभ विशेषकर कम और मध्यम आय वाले देशों को मिलेगा जो पुतिन के युद्ध के कारण ऊर्जा तथा खाद्य कीमतों की आसमान छूती कीमतों से परेशान हैं।

अमेरिका ने चीन-पाकिस्तान को धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने वाले देश किया घोषित, सूची में ये 10 देश भी शामिल

वाशिंगटन (एजेंसी) । अमेरिका ने चीन, पाकिस्तान और म्यांमार समेत 12 देशों को वहां की धार्मिक स्वतंत्रता की मौजूदा स्थिति को लेकर ''विशेष चिंता वाले देश' घोषित किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को इस बाबत घोषणा करते हुए कहा कि दुनिया भर में सरकारें तथा सरकार से इतर तत्व लोगों का उनकी आस्थाओं के आधार पर उत्पीड़न करते हैं, उन्हें धमकाते हैं, जेल में डाल देते हैं और यहां तक कि लोगों की हत्या कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ उदाहरणों में, वे राजनीतिक लाभ के अवसरों का फायदा उठाने के लिए लोगों की धर्म या आस्था की स्वतंत्रता का गला घोंटते हैं। ब्लिंकन ने कहा कि ये कार्रवाइयां विभाजन पैदा करती हैं, आर्थिक सुरक्षा को कमजोर करती हैं और राजनीतिक स्थिरता एवं शांति को खतरा पैदा करती हैं तथा अमेरिका इन दुर्व्यवहारों का समर्थन नहीं करेगा। ब्लिंकन ने कहा, ''आज, मैं म्यांमा, चीन, क्यूबा, एरिट्रिया, ईरान, निकारागुआ, उत्तर कोरिया, पाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन में शामिल होने के लिए अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता कानून 1998 के तहत विशेष चिंता वाले देश घोषित कर रहा हूं।' ब्लिंकन ने अल्जीरिया, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कोमोरोसा और वियतनाम को भी धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन में शामिल रहने या उसे बर्दाश्त करने के लिए विशेष निगरानी वाली सूची में रखने की जानकारी दी। अमेरिका ने अल-शबाब, बोको हराम, हयात तहरीर अल-शाम, हूथीस, आईएसआईएस-ग्रेटर सहारा, आईएसआईएस-वेस्ट अफ्रीका, जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमिन, तालिबान और वैगनर समूह को भी मध्य अफ्रीकी गणराज्य में उनकी कार्रवाइयों के आधार पर ''विशेष चिंता वाले संगठन' के रूप में चिह्नित किया है।

भारत के त्र20 को लेकर आईएमएफ का आया बड़ा बयान, कहा – भारत के एजेंडे को पूरा समर्थन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि वह भारत के जी-20 एजेंडे का ''पूरा समर्थन'' करता है, जो मौजूदा वैश्विक संकटों से संबंधित उन मुद्दों पर आम सहमति बनाने की योजना पर काम कर रहा है जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत ने बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की।

आईएमएफ के नीति समीक्षा विभाग की निदेशक सेला पजारबासियोग्लू ने अगले सप्ताह होने वाली भारत और चीन की अपनी यात्रा से पहले संवाददाताओं से कहा कि वे (भारत) अधिक समृद्ध भविष्य के लिए एक सामूहिक एजेंडा एक साथ रख रहे हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा वे (भारत) जारी (वैश्विक) संकटों से संबंधित उन मुद्दों पर आम सहमति बनाने की की योजना तैयार कर रहे हैं, जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। पज़ारबासियोग्लू जाहिर तौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण खाद्य और ऊर्जा संकट का जिक्र कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भारत के जी-20 एजेंडे का आईएमएफ ''पूरी तरह समर्थन'' करता है। जी-20 की भारत की अध्यक्षता की थीम 'वन अर्थ (एक धरती), वन फैमिली (एक परिवार), वन फ्यूचर (एक भविष्य)' है। आईएमएफ की अधिकारी ने कहा, इसका मतलब यह है कि भारत मतभेदों को दूर करने और स्थानीय स्तर, संघीय स्तर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने की आवश्यकता को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंडोनिशया के बाली में जी-20 की घोषणा को अंजाम तक पहुंचाने में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पज़ारबासियोग्लू ने कहा, ÷जैसा कि आप जानते हैं, हम पिछली दो मंत्रिस्तरीय बैठकों में कोई घोषणा करने में सफल नहीं रहे। मैं इसके विवरण में नहीं जाऊंगी कि इसमें कितने घंटे लगे। लेकिन इसलिए यह एक बड़ी उपलब्धि थी, जिसमें बहुत कठोर शामिल थी, कि अधिकतर सदस्यों ने यूक्रेन में युद्ध की निंदा की।

अमेरिका ने पाकिस्तान और चीन समेत 12 देशों को विशेष चिंता वाला देश घोषित किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने चीन, पाकिस्तान और म्यांमा समेत 12 देशों को वहां की धार्मिक स्वतंत्रता की मौजूदा स्थिति को लेकर ''विशेष चिंता वाले देश'' घोषित किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को इस बाबत घोषणा करते हुए कहा कि दुनिया भर में सरकारें तथा सरकार से इतर तत्व लोगों का उनकी आस्थाओं के आधार पर उत्पीड़न करते हैं, उन्हें धमकाते हैं, जेल में डाल देते हैं और यहां तक कि लोगों की हत्या कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ उदाहरणों में, वे राजनीतिक लाभ के अवसरों का फायदा उठाने के लिए लोगों की धर्म या आस्था की स्वतंत्रता का गला घोंटते हैं।

ब्लिंकन ने कहा कि ये कार्रवाइयां विभाजन पैदा करती हैं, आर्थिक सुरक्षा को कमजोर करती हैं और राजनीतिक स्थिरता एवं शांति को खतरा पैदा करती हैं तथा अमेरिका इन दुर्व्यवहारों का समर्थन नहीं करेगा। ब्लिंकन ने कहा, ''आज, मैं म्यांमा, चीन, क्यूबा, एरिट्रिया, ईरान, निकारागुआ, उत्तर कोरिया, पाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन में शामिल होने के लिए अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता कानून 1998 के तहत विशेष चिंता वाले

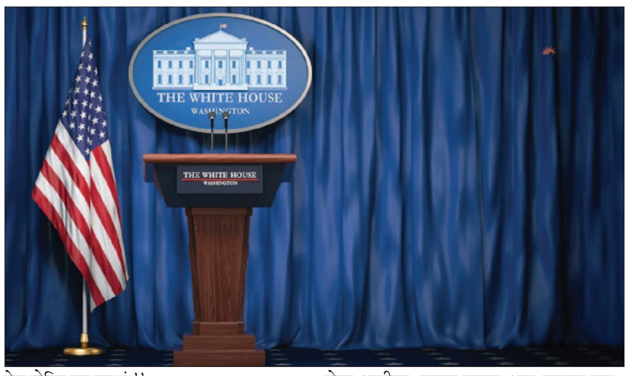

देश घोषित कर रहा हूं।''

ब्लिंकन ने अल्जीरिया, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कोमोरोसा और वियतनाम को भी धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन में शामिल रहने या उसे बर्दाश्त करने के लिए विशेष निगरानी वाली सूची में रखने की जानकारी दी। अमेरिका ने अल-शबाब, बोको हराम, हयात तहरीर अल-शाम, हूथीस, आईएसआईएस-ग्रेटर सहारा, आईएसआईएस-वेस्ट अफ्रीका, जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमिन, तालिबान और वैगनर समूह को भी मध्य अफ्रीकी गणराज्य में उनकी कार्रवाइयों के आधार पर ''विशेष चिंता वाले संगठन' के रूप में चिह्नित किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया के हर देश में धार्मिक स्वतंत्रता या आस्था की स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रखेगा।

दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश पास करेगा नया क्रिमिनल कोड, शादी से पहले शारीरिक संबंध बनाने पर होगी 1 साल की जेल

सियोल (एजेंसी)। अगले कुछ दिनों में इंडोनेशियाई संसद से एक नया क्रिमिनल कोड पास कर सकती है। जिसके तहत शादी से पहले शारीरिक संबंध बनाना दंडनीय अपराध माना जाएगा। ऐसा करने एक साल तक की जेल हो सकती है। कानून बिना शादी के पुरुषों और महिलाओं के एक साथ रहने पर भी प्रतिबंध लगाएगा। कोई भी व्यक्ति जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाता है जो उनके पति या पत्नी नहीं हैं, उन्हें व्यभिचार के लिए 1 (एक) वर्ष के अधिकतम कारावास या द्वितीय श्रेणी के अधिकतम जुर्माने के साथ दंडित किया जाएगा। इंडोनेशिया के उप न्याय मंत्री एडवर्ड उमर शरीफ हेरिज ने रॉयटर्स को बताया कि नया कानून, जो दशकों से बना हुआ है, उसके 15 दिसंबर को पारित होने की उम्मीद है।

यह नया कानून देश में रूढ़िवादी मुसलमानों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। इंडोनेशिया सबसे बड़ा मुस्लिम देश है, लेकिन इसे काफी उदार देश के रूप में जाना जाता है, जहां शरिया कानूनों का कोई राष्ट्रव्यापी आवेदन नहीं है। लेकिन अब यह बदल रहा है और इस्लामी समूह शादी से पहले शारीरिक संबंध पर प्रतिबंध लगाने वाले इस नए कानून का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि, देश में महिलाओं, धार्मिक अल्पसंख्यकों और एलजीबीटी व्यक्तियों के खिलाफ भेदभाव करने वाले सैकड़ों स्थानीय कानून हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, अपराधी के पति या उनके अविवाहित बच्चों के माता-पिता से शिकायत मिलने पर कानून प्रभावी होगा। इसके अलावा, अनुच्छेद 144 कहता है कि शिकायतों को तब तक वापस लिया जा सकता है जब तक कि ट्रायल कोर्ट में परीक्षा शुरू नहीं हुई है। देश के कुछ इस्लामिक समूह इस कानून के मसौदे का समर्थन कर रहे हैं, जिससे रूढ़िवादिता बढ़ रही है। हालांकि, विरोधियों का तर्क है कि सत्तावादी नेता सुहार्तो के पतन के बाद 1998 में हुए उदार सुधार बेकार हो जाएंगे। 2019 में इस नियम को पारित करने के लिए एक मसौदा भी लाया गया था, लेकिन देश भर में इसका विरोध देखा गया।

संपादकीय

फिर भी उम्मीदें

जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में भले ही देश की जीडीपी दर 6.3 फीसदी रही हो, इसके बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हालांकि, विकास दर मौद्रिक नीति समिति के अनुमानों से मेल खाती है, लेकिन यह पिछले वर्ष इसी अवधि में सामने आई 8.4 की वृद्धि से कम है। कह सकते हैं कि पिछले वर्ष में वृद्धि उस समय दर्ज की गई जब अर्थव्यवस्था कोरोना संकट से तेजी से उबर रही थी। अब यह गति अपने मूल स्वरूप में लौट रही है। यद्यपि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की हालिया घोषित विकास दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आई 13.5 फीसदी दर से कम है मगर स्वीकार करना चाहिए कि अर्थव्यवस्था संकुचन के नकारात्मक प्रभावों के चपेट में आई है। जाहिर है महंगाई बढ़ने तथा वैश्विक विषम परिस्थितियों से मांग में गिरावट का असर दिखाई दिया है। लेकिन हमारी बड़ी चिंता विनिर्माण और खनन क्षेत्र में आई गिरावट होनी चाहिए। दरअसल, विनिर्माण के क्षेत्र में 4.3 फीसदी तथा खनन में 2.8 फीसदी का संकुचन देखा गया है। निस्संदेह विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट नीति-नियंताओं की गंभीर चिंता का कारण होना चाहिए क्योंकि यह रोजगार सृजन का प्रमुख क्षेत्र भी है और देश की खपत को प्रभावित करता है। यही वजह है कि विनिर्माण क्षेत्र में संकुचन, उच्च मुद्रास्फीति और बढ़ते व्यापार घाटे ने देश की अर्थव्यवस्था के परिदृश्य में चिंता उत्पन्न की है। दरअसल, देश की औद्योगिक विकास दर पिछले छह साल से लगातार संकुचित होती रही है। इसको चीन के साथ लगातार बढ़ते व्यापार घाटे के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए क्योंकि हम घरेलू उत्पाद को प्राथमिकता देने के बजाय चीनी आयात पर निर्भर होते जा रहे हैं। इस साल के पहले नौ महीनों में चीन के साथ व्यापार घाटा 76 अरब डालर होना चिंता की बात है। सही मायनों में देश की औद्योगिक नीति की नये सिरे से समीक्षा की तत्काल जरूरत है। यह क्षेत्र रोजगार सृजन का बड़ा जरिया होने के कारण खासा महत्व रखता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि देश के सबसे भरोसेमंद कृषि क्षेत्र में 4.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि वैश्विक प्रतिकूलताओं के बावजूद हुई है, जिन्होंने पूरी दुनिया के विकास को धीमा कर दिया है। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध की भी बड़ी भूमिका है, जिसके चलते पेट्रो उत्पादों के दाम कुलांचे भरते रहे हैं। जहां यह क्षेत्र देश में खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करता है वहीं रोजगार का भी बड़ा जरिया भी है। कृषि क्षेत्र से जुड़े उद्योगों में पूंजी निवेश बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को गति दी जा सकती है। हालांकि, देश के शीर्ष अर्थशास्त्री भरोसा दिला रहे हैं कि देश की अर्थव्यवस्था अपने सात फीसदी के लक्ष्य को सहजता से हासिल कर लेगी। उन्हें विश्वास है कि अगली दो तिमाहियों में अर्थव्यवस्था बेहतर परिणाम देगी। देश का केंद्रीय बैंक भी भरोसा जता रहा है कि चौथी तिमाही तक देश की अर्थव्यवस्था अपनी पुरानी लय में लौट आएगी। सरकार को महंगाई के स्तर पर नियंत्रण के लिये अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। रुपये के मूल्य में कमी तथा बढ़ी ब्याज दरें भी महंगाई रोकने के मार्ग में बाधक बनी हैं। इसके अलावा वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में मंदी के बावजूद भारतीयों की खपत बढ़ने से घरेलू बाजार में मांग बढ़ी है। इससे विदेशी निवेश में भी सुधार देखा जा रहा है। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था कोरोना के प्रभावों से मुक्त होकर यथाशीघ्र अपनी पुरानी लय में लौटेगी, जिससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि से कोरोना काल में गरीबी की रेखा के नीचे जाने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार का प्रयास किया जा सके। तब बाजार में मांग व आपूर्ति का संतुलन कायम हो सकेगा। लेकिन जरूरी है कि देश के औद्योगिक क्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण किया जाये ताकि निर्यात बढ़ाने की दिशा में भी पहल हो सके। इससे एक ओर जहां रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, वहीं निर्यात से विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलेगी। बहरहाल, जब दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यस्थाएं सुस्ती की चपेट में हैं, हमारी विकास दर भरोसा जगाती है।

चुनाव बाद का परिदृश्य

नेपाल के संसदीय चुनाव में नेपाली कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर सामने आई है। नेपाली कांग्रेस नीत सत्तारूढ़ गठबंधन काठमांडू में सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। पिछले दिनों संपन्न संसदीय चुनाव में मतदाताओं ने किसी भी दल या गठबंधन के पक्ष में जनादेश नहीं दिया। मुख्य विपक्षी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने हालांकि संसद में संतोषजनक उपस्थिति दर्ज कराई है। इस चुनाव में दो विलक्षण राजनीतिक प्रवृतियां उभरी हैं, जिन पर देश और देश के बाहर राजनीतिक विश्लेषकों के बीच चचाएं जारी हैं। अगर यह दोनों प्रवृत्तियां स्थाई आकार लेती हैं तो आने वाले दिनों में हिमालयी राज्य की राजनीति में

आमूल-चूल बदलाव हो सकते हैं। वास्तव में नेपाली राजनीति के जानकारों के लिए ये दोनों प्रवृत्तियां कौतूहल पैदा कर रही हैं। पहली गौर करने वाली बात यह है कि राजतंत्र समर्थक माने जाने वाला दल राष्ट्रीय प्रजातांत्रिकपार्टी को अपेक्षा से अधिक सफलता मिली है और दूसरी युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा गठित राजनीतिक दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। इसी वर्ष जून में इस पार्टी का गठन हुआ था। इस पार्टी की सफलता से युवाओं और नौजवानों में विशेष रूप से उत्साह देखा जा रहा है। इसकी सफलता से अन्य राजनीतिक दलों में भी युवा पीढ़ी को नेतृत्व हस्तांतरित करने का दबाव बढ़ रहा है। नेपाली राजनीति में यह एक नई परिघटना है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, इन दोनों को जो चुनावी सफलता मिली है उससे यह भी स्पष्ट होता है कि हिमालयी राज्य की राजनीति में विभिन्न वैचारिक समूहों के प्रति मतदाताओं का रुझान बढ़ा है। लेकिन चुनाव परिणाम यह भी बताता है कि नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व के प्रति मतदाताओं ने अपना भरोसा कायम रखा है। वर्तमान गठबंधन के साथ देउबा के दोबारा प्रधानमंत्री बनने की संभावना प्रबल है, लेकिन उनकी आगे की राह भी चुनौतियों से भरी हुई हुई है। धुर कम्युनिस्ट पार्टियों के साथ गठबंधन की सरकार चलाना अंगारों पर चलने की तरह है। नेपाल जैसे गरीब देश के लिए आर्थिक विकास का रोडमैप तैयार करना उनके लिए दूसरी मुख्य चुनौती है।

कटाक्ष/ कबीरदास

विष गुरू हुए तो क्या गुरू न होंगे

लगता है कि अमृत काल में अपनी सरकार को देसी के बाद अब विदेशी मीडिया भी खरीदना ही पड़ेगा। बताइए! इंडिया को मोदी जी ने राम-राम कर के इतनी मुश्किल में तो जी-20 की तरह, संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का भी टेंपरेरी अध्यक्ष बनवाया है वह भी सिर्फ महीने भर के लिए। और कमबख्त पत्रकारग उद्घाटन के दिन ही आ गए मजा खराब करने।

पूछने लगे कि मोदी जी के इंडिया में डेमोक्रेसी का हालत इतनी पतली क्यों है? वह तो भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज जी ने उन्हें डेमोक्रेसी की मम्मी की उम्र की याद दिला दी और अपनी उम्र भूलकर सवाल पूछने के लिए छोकरों को तगड़ी झाड़ पिला दी, वर्ना इन पत्रकारों ने तो सुरक्षा परिषद में इंडिया की ढाई दिन की बादशाहत का मजा किरकिरा ही कर दिया था। पर इन विदेशी पत्रकारों की ही क्यों कहें, खुद देश में भी बहुत ज्यादा न सही, पर ऐसे लोग भी मिल ही जाएंगे जिन्हें अपनी इंडिया को डेमोक्रेसी की मम्मी मानना छोड़िए, बोलना तक मंजूर नहीं है। कहते हैं कि ये डेमोक्रेसी की कैसी मम्मी हुई, जिसने हजारों साल अपने बच्चों में ही भेद रखा। किसी को मुंह की, तो किसी को पांवों की पैदाइश माना। किसी को भूसुर तो किसी को असुर माना। भेदभाव हो तो मम्मी तो प्राचीन हो सकती है, पर डेमोक्रेसी नहीं! पर ये किस किताब में लिखा है कि जन्म से भेदभाव होगा तो डेमोक्रेसी नहीं होगी? और किसी ने लिख भी दिया होग तो हम विश्व गुरु किसी और के लिखे को पढ़कर चलेंगे या अपना ऑरीजिनल लिखेंगे! होगी दूसरों की बिना भेदभाव वाली डेमोक्रेसी, होती रहे उसकी कोई और अम्मा भी, उससे हमें क्या? हमारी भेदभाव वाली डेमोक्रेसी की सहीग पर डेमोक्रेसी की मम्मी इंडिया ही है। और डेमोक्रेसी तो वही, जो विश्व गुरु मन भाए! अब भैया मोदी के विरोध के चक्कर में किसी को कम-से-कम भारत के विश्व गुरु होने पर शक नहीं करना चाहिए। अब तो प्यू रिसर्च वालों ने भी रिसर्च कर के बता दिया है कि हम सांप्रदायिक नफरत में दुनिया भर में सबसे आगे हैं। ईरान, पाकिस्तान और यहां तक कि अफगानिस्तान से भी आगे। हम ही विष गुरु हैं, साक्षात विष गुरु। और आज से नहींग कम-से-कम 2020 से तो पक्का ही विष गुरु हैं। अब सोचने वाली बात है--विष गुरु हुए तो क्या गुरु न होंगे!

भोपाल गैस कांड: अब भी हरे हैं पीड़ितों के जख्म

योगेश कुमार गोयल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में वर्ष 1984 में हुई भयावह गैस त्रासदी को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 03 दिसम्बर 1984 को यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। इस त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए थे। भोपाल गैस कांड के 38 साल बीत चुके हैं इस त्रासदी के पीड़ितों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे।

एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 38 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 55,8125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब आठ हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब आठ हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे।

भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया

> सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हालांकि यूनियन कार्बाइड कारखाने के कुछ टन कचरे का निस्तारण इन्दौर के पास पीथमपुर में किया जा चुका है लेकिन पर्यावरण पर उसका क्या असर पड़ा, यह एक रहस्यमय पहेली है। यहां जहरीली गैसों का खतरा अभी भी बरकरार है क्योंकि उस त्रासदी के कई टन जहरीले कचरे का निस्तारण अब भी एक बड़ी चुनौती है, जो हादसे की वजह बने यूनियन कार्बाइड कारखाने में कवर्ड शेड में मौजूद है। इसके खतरे को देखते हुए यहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित है। करीब 38 साल से पड़ा यह कचरा कारखाने के आसपास की जमीन, जल और वातावरण को प्रदूषित कर रहा है।

शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था।

03 दिसम्बर 1984 को करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरुनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए। इस रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फेंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के अचानक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे।

भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया रहा हो किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 38 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रुख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भूजल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीड़ित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भू-जल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हालांकि यूनियन कार्बाइड कारखाने के कुछ टन कचरे का निस्तारण इन्दौर के पास पीथमपुर में किया जा चुका है लेकिन पर्यावरण पर उसका क्या असर पड़ा, यह एक रहस्यमय पहेली है। यहां जहरीली गैसों का खतरा अभी भी बरकरार है क्योंकि उस त्रासदी के कई टन जहरीले कचरे का निस्तारण अब भी एक बड़ी चुनौती है, जो हादसे की वजह बने यूनियन कार्बाइड कारखाने में कवर्ड शेड में मौजूद है। इसके खतरे को देखते हुए यहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित है। करीब 38 साल से पड़ा यह कचरा कारखाने के आसपास की जमीन, जल और वातावरण को प्रदूषित कर रहा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लंपी का कहर

पीड़ित गाय पालक आर्थिक मदद के हकदार

इंद्रजीत सिंह

लगता है लंपी त्वचा बीमारी फिलहाल चली तो गई परन्तु इससे पशुपालकों को जो तगड़ा आर्थिक झटका लगा है उसकी पीड़ा जाने में बहुत समय लगेगा। उत्तर पश्चिम के प्रदेशों की लाखों गाय व बैल इसकी चपेट में आ गए। गुजरात के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश आदि में कुल मिलाकर लाखों दुधारू गाय मर चुकी और जो बीमारी के बाद बच गईं वह भी दूध से सूख गई हैं। यद्यपि सबसे ज्यादा मृत्यु दर राजस्थान में थी परन्तु हरियाणा व पंजाब में भी बहुत बड़ी संख्या में गाय मरी हैं। हरियाणा में यमुनानगर, अंबाला, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी आदि में लंपी का सर्वाधिक कहर देखा गया। लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) गत वर्षों के दौरान पहले भी कहीं-कहीं आती रही परंतु इसका गंभीर संज्ञान पशुपालन विभाग ने भी नहीं लिया।

यह देखा गया है कि जिन जिलों में बीमारी का प्रकोप ज्यादा था वहां पशु चिकित्सालयों में स्टाफ तैनात नहीं है। ग्रामीण पशु धन विकास सहायक एक महत्वपूर्ण पद होता है। हरियाणा के लंपी प्रभावित क्षेत्रों में 25-30 प्रतिशत पदों पर ही उनकी तैनाती है। लंपी से बनने वाले घावों में बैक्टीरिया संक्रमण को रोकने हेतु, फिनाइल, पट्टी और तो और लाल दवाई तक भी पशु चिकित्सालयों में उपलब्ध नहीं रही। इस संबंध में लंपी से हुई आर्थिक बदहाली के लिए क्या सरकार की जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए?

विडंबना है कि समय रहते इस बीमारी का संज्ञान लेकर नियंत्रित करने के कदम उठाने में केंद्र व राज्य सरकारों ने अपनी विफलता को अभी तक स्वीकार नहीं किया। यही नहीं बल्कि पीड़ित पशुपालकों को हुए नुकसान की पूर्ति की दिशा में सरकारी आर्थिक मदद दिए जाने का आज तक उल्लेख तक नहीं किया है। यह घोर संवेदनहीनता उसी 'गौमाता' के लिए है जिसका भरपूर

दोहन करने वाली राजनीति आज सत्ता पर काबिज भी है।

यमुनानगर में एक डेयरी में 17 गायें मर गईं। इस जिले के हर गांव में गायों के मरने की औसत दर लगभग 8-10 आंकी गई है। करीब 8 लीटर दूध देने वाली एक गाय के मरने से लगभग 50 हजार रुपये की सीधी हानि होती है। दस हजार रुपये तक असफल इलाज में भी लग चुके होते हैं। अकेले गुजरात में एक लाख लीटर दूध प्रतिदिन का अभाव हुआ। राजस्थान में तीन से छह लाख लीटर प्रतिदिन की अभी बताई गई।

गांवों के छोटे-छोटे किसान और भूमिहीन परिवार भी एक या दो गाय पाल लेते हैं और दूध बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। एकल महिला परिवार, भूमिहीन अनुसूचित जातियों या खेत मजदूर परिवारों में भी आम तौर पर गाय रखने की क्षमता है।

कोविड-19 की तरह लंपी त्वचा बीमारी का कारण भी वायरस ही है। बकरी व भेड़ को होने वाले चेचक से मिलता-जुलता वायरस ही है जिसे कैप्रिपॉक्स वायरस कहते हैं। इसके संक्रमण से गाय ज्यादा शिकार होती हैं परंतु कहीं-कहीं भैंसों पर मामूली प्रभाव देखा गया है। आम पशुपालकों में इसके बारे में न केवल अनभिज्ञता है बल्कि तमाम तरह के अंधविश्वास और भ्रांतियां भी हैं। बहुत सारे लोगों ने पशुपालकों से डर के चलते दूध लेना बंद कर दिया। वे समझते हैं कि मनुष्यों को भी यह बीमारी लग सकती है जो कि सत्य नहीं है। वायरस संक्रमण के उपचार की अभी कोई दवा नहीं है। बकरी व भेड़ पॉक्स वैक्सीन का ही प्रयोग इस बार भी किया गया।

यह बीमारी बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध में अफ्रीका में पाई गई थी और बाद में एशिया व मध्य एशिया तथा अन्य देशों में पहुंच गई। इसे लंपी इसलिए कहा जाता है कि इससे पूरे शरीर की त्वचा पर लंप यानी गांठ हो जाती हैं। बीमार पशु को बुखार, अत्यधिक लार, मुंह के भीतर भी लंप, भूख का अभाव, दूध घटना, गर्भपात होना इत्यादि इसके मुख्य लक्षण हैं। समय पर बचाव के जतन न होने से गंभीर दशा में पशु की मृत्यु हो जाती है।

लंपी का संक्रमण मच्छर, कीचड़, ततैया, सार्वजनिक तालाब, चारे पर गिरने वाली लार से फैलता है। एक समय पर गांव के लोग 24 घंटे या अधिक अवधि तक तमाम तरह के आवागमन पर कड़ी पाबंदी लगाते थे। वह पशुओं की संक्रमित बीमारियों के लिए ही क्वारंटाइन की व्यवस्था थी। इस बार गौशाला और डेयरियों में ज्यादा गायों की मृत्यु हुई, क्योंकि यहां झुंड में पशु हैं और गौशालाओं की गाय कुपोषित और कमजोर होने के कारण बीमारियों को नहीं झेल पाती।

किसान संगठनों के दबाव में महाराष्ट्र सरकार ने ही आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा है। जिनकी गाय मरी हैं उन्हें 30000 रुपये राज्य सरकार और 1000 रुपये स्थानीय निकाय देगा। सरकार को हाल में हुई तबाही से सबक सीखना चाहिए। एक विशेष पैकेज की अभी जरूरत है। पशु धन के आर्थिक नुकसान के सही आकलन पर श्वेत पत्र जारी हो और प्रभावित पशुपालकों को आर्थिक सहायता दी जाए। साथ ही शत-प्रतिशत पशु धन का वैक्सीनेशन सुनिश्चित हो। सभी पशुओं का मामूली प्रीमियम पर बीमा हो, बैंक के कर्ज़ माफ हों, पशु चिकित्सालयों में पूरे डाक्टर व अन्य स्टाफ हो, बढ़े हुए लागत मूल्य के अनुसार दूध के रेट बढ़ाए जाएं। किसानों को को-ऑपरेटिव ताने बाने का निर्माण करना होगा।

अर्थव्यवस्था

भारत की मजबूती दिखती है

सतीश सिंह

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के मुताबिक वित्त वर्ष 2023 की सितम्बर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रही और अनुमान है कि आगामी तिमाहियों में इसमें सुधार आएगा और चालू वित्त वर्ष में यह 7.00 प्रतिशत के आसपास रहेगी। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 13.5प्रतिशत रही थी। केंद्रीय बैंक की तरह रॉयटर्स और ब्लूमबर्ग ने भी सितम्बर तिमाही में जीडीपी वृद्धि के 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था।

सितम्बर तिमाही में सेवा क्षेत्र के तहत व्यापार, होटल व परिवहन, वित्तीय व रियल एस्टेट एवं लोक प्रशासन व अन्य सेवाओं में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे जीडीपी, अनुमानित वृद्धि दर को बरकरार रखने में सफल रहा। इस अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में 4.3 प्रतिशत का संकुचन दर्ज किया गया, क्योंकि बैंकों द्वारा ऋण ब्याज दर बढ़ाने और महंगाई की वजह से कंपनियों की इनपुट लागत बढ़ी और उनका मुनाफा मार्जिन प्रभावित हुआ, जिससे विनिर्माण गतिविधियां बाधित हुई।

सेवा क्षेत्र यानी व्यापार, होटल, परिवहन आदि सेवाओं में पहली बार वृद्धि की रफ्तार वित्त वर्ष 2020 की सितम्बर तिमाही की तुलना में 2.1 प्रतिशत अधिक रही और कोरोना महामारी के पहले के मुकाबले जीडीपी में कुल 7.6प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में बुनियादी कीमत पर सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 5.6 प्रतिशतकी बढ़ोतरी हुई। पिछले साल की तुलना में शुद्ध आयात भी लगभग दोगुना हो गया और सालाना आधार पर इसमें 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई। निजी खर्च में वृद्धि 9.7 प्रतिशत दर्ज की गई, क्योंकि उपभोक्ताओं ने महंगाई के दबाव के बावजूद अधिक कीमत वाले सामानों पर ज्यादा खर्च किया, जबकि सरकारी खर्च में 4.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की

गई, जो इस बात का संकेत है कि आमजन खर्च करने से गुरेज नहीं कर रहे हैं और केंद्र व राज्य सरकारों ने सितम्बर तिमाही के दौरान अपने खर्च पर नियंत्रण रखने में सफल रही हैं।

भारत का पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर महीने के 55.3 से थोड़ा बढ़कर नवम्बर महीने में 55.7 हो गया। यह नये ऑर्डर, उत्पादन में वृद्धि और महंगाई में आई आंशिक कमी की वजह से 3 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। पीएमआई में वृद्धि इस बात का संकेत है कि विनिर्माण की गतिविधियों में तेजी आ रही है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के अनुसार भी विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन और मांग में सुधार दृष्टिगत हो रहा है। अक्तूबर महीने में महंगाई में आंशिक कमी आने से कंपनियों के इनपुट लागत में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। इन दो महीनों में नई मांग और निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। अक्टूबर और नवम्बर महीने में पीएमआई में उछाल आने से यह अनुमान लगाया जा रहा कि चालू वित्त वर्ष की दिसम्बर तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर में बेहतरी आएगी। खनन क्षेत्र में उत्पादन दर में 2.8 प्रतिशत की गिरावट आने और महंगाई के मोर्चे पर उल्लेखनीय सफलता नहीं मिलने और ऋण ब्याज दरों में वृद्धि होने की वजह से कुछ अर्थशास्त्री कयास लगा रहे हैं कि भारत की वृद्धि दर आगामी तिमाहियों में और भी कम हो सकती है। दूसरी तरफ, त्योहार भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति का परिचायक है और इस पहलू को विकास के साथ हमेशा से जोड़ा जाता रहा है। साथ ही, अगर लोगों के पास पैसा रहेगा तभी वे खर्च करेंगे। इसलिए यह कहना कि त्योहार की वजह से लोगों ने अगस्त, सितम्बर और अक्तूबर महीने में खर्च किया या फिर इस अवधि के दौरान मांग में वृद्धि हुई या फिर निवेश में इजाफा हुआ गलत होगा।

सितम्बर और अक्टूबर 2022 के आंकड़ों के अनुसार वेतन वाली नौकरियां कोरोना महामारी के पहले के स्तर पर पहुंच गई हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि नवम्बर और दिसम्बर महीने में इसमें और भी सुधार होगा। शहरी क्षेत्र में सितम्बर महीने में 21.4 लाख और अक्टूबर महीने में 22.6 लाख रोजगार सृजित हुए। हालांकि, इन महीनों के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन चालू वित्त वर्ष की सितम्बर तिमाही में कृषि एवं संबंधित गतिविधियों में स्थिर मूल्य पर 4.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही से अधिक है से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के क्षेत्र में बेहतरी आने की संभावना बढ़ी है।

कृषि क्षेत्र में ताजा वृद्धि मुख्य रूप से कृषि संबंधी गतिविधियों में तेजी आने की वजह से संभव हुई है, क्योंकि इन महीनों में फसल की कटाई की गतिविधियां कम हुई हैं। यह सकारात्मक संकेत है। जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2023 में 7.00 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है और उम्मीद है कि भारत आसानी से इस लक्ष्य को हासिल कर लेगा। अभी दुनिया के देशों में अनिश्चितता का माहौल है। महंगाई और विकास की सुस्त वृद्धि दर से विकसित देशों समेत दुनिया भर के अधिकांश देश मंदी की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि भारत मजबूती से विकास की दिशा में अग्रसर है।

मां-बेटी का रिश्ता अनमोल फिर क्यों आ जाती हैं दूरियां?

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौंक-झौंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का ख्याल रख रही हैं तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम् वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेसिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज है।

बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज है। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी मां से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।

अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन

बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रूकावटें आने लगती है। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों को हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
7. इस आसान को 4-5 बार करें।

इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। पूरे शरीर में मजबूती आएगी।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।

योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।

कुछ साल पहले टेलीविजन मनोरंजन का एक मात्र जरिया था। लेकिन समय के साथ-साथ मनोरंजन के विकल्प बढते गए। पहले बच्चे अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल खुल कूद में बिताया करते है। परंतु आज वे टीवी देखते हुए अन्य कंप्यूटर खेल को खेल कर बिताना पसंद करते हैं। वे अपने शरीर को बिल्कुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। कभी-कभी वे दवा के डर से समस्या को बताते ही नहीं है। परंतु माता-पिता होने के नाते उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए साल में एक बार अपने बच्चे के पूरे शरीर की जांच कराना बहुत जरूरी है। यदि आपको लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही है। पता लगाने के लिए नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान दें। यदि इन्में से कुछ लक्षण आपके बच्चे में मौजूद हैं तो तुरंत उसके आंखों की जांच कराएं।

बच्चों की नजर कमजोर होने के 10 लक्षणों को जानें

आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखे मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिराएं।

भेंगापन

कई बार बच्चे मजाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोडा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रश्लेष्मला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखे लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आएं तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातें व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बांधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।

दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोकें। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाए।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की और इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत बताएं। साथ ही उससे ऐसा करने का कारण पूछे। इसके अलावा बच्चे की जरूरत का अच्छे से ध्यान रखें।

बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण....

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन डी से भरपूर सुपर फूड्स

सोया से भरपूर चीजें

विटामिन डी से भरपूर चीजों की लिस्ट में सोया भी शामिल होता है। ऐसे में बच्चे की डाइट में सोया से भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल में, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना 1 गिलास ताजे संतरे का जूस पीने से बच्चे में विटामिम डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजीटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे को इसकी कमी पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही उसकी सेहत में सुधार आएगा।

एसबीआई के चेयरमैन ने डिजिटल रुपया को लेकर दिया बड़ा बयान, कहा ये पलट सकता है पासा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। ।भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक का खुदरा डिजिटल रुपया पासा पलटने वाला सबित होगा। इससे टिकाऊ प्रभाव के साथ काफी कम लागत पर मौद्रिक नीति का बेहतर तरीके से लाभ मिल सकेगा। खुदरा डिजिटल रुपये के लिये आरबीआई की केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) पायलट परियोजना बृहस्पतिवार को मुंबई, नयी दिल्ली, बेंगलुरु और भुवनेश्वर में शुरू हुई। भारतीय स्टेट बैंक इसमें भाग लेने वाले बैंकों में से एक है। खुदरा डिजिटल रुपया परियोजना चार बैंकों...एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक...और ग्राहकों एवं व्यापारियों के साथ शुरू हुई। खारा ने बयान में कहा कि आरबीआई सीबीडीसी पर पायलट परियोजना पासा पलटने वाली साबित होगी। टिकाऊ प्रभाव के साथ इससे काफी कम लागत पर मौद्रिक नीति का बेहतर तरीके से लाभ मिलना सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने बयान में कहा कि यह चलन में जारी मुद्रा व्यवस्था को सहयोग देगा और कुल मिलाकर मुद्रा ढांचे को पूर्ण करेगा। दूसरे चरण में चार अन्य बैंकों को शामिल करते हुए खुदरा डिजिटल रुपया परियोजना नौ अन्य शहरों में जारी की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने 29 नवंबर को डिजिटल रुपये को लेकर पायलट परियोजना की घोषणा करते हुए कहा था, ''नकद रुपये के उलट इसमेंकोई ब्याज नहीं मिलेगा और इसे बैंकों में जमा समेत अन्य रुपये के अन्य रूप में बदला जा सकता है। डिजिटल रुपये के उपयोग से भौतिक मुद्रा के प्रबंधन से संबंधित परिचालन लागत कम होने की भी उम्मीद है। साथ ही अर्थव्यवस्था में वित्तीय समावेश बढ़ने की संभावना है।

डिफॉल्टर बनने से बचा पाकिस्तान, 'जुगाड़' से चुकाया 1 अरब डॉलर का कर्ज

इस्लामाबाद। कैश-स्ट्रैप्ड पाकिस्तान ने तय समय से तीन दिन पहले एक परिपक्व अंतरराष्ट्रीय सुकुक (शरिया आधारित बांड) बांड का भुगतान कर दिया। इस तरह नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान ने धन अदायगी में चूक को टाल दिया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने शनिवार को बताया कि वास्तविक कार्यक्रम के अनुसार, देश को 5 दिसंबर को अमेरिकी डॉलर-मूल्यवर्गित वैश्विक बांड में परिपक्व निवेश की अदायगी करनी थी। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के प्रवक्ता आबिद कमर ने बताया कि हां, हमने एक अरब डॉलर का भुगतान कर दिया है।' बैंक ने सिटीग्रुप को भुगतान कर दिया है जो निवेशकों को धन हस्तांतरित करेगा। इससे पहले, डिफॉल्ट का जोखिम 5 साल के क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप (सीडीएस) के माध्यम से मापा गया। पिछले महीने 123 प्रतिशत की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, इस धारणा पर मजबूती से निर्माण किया गया कि देश कम विदेशी मुद्रा के बीच भुगतान की व्यवस्था करने में विफल रहेगा। वित्त मंत्री इशाक डार, पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल और एसबीपी के गवर्नर जमील अहमद ने दोहराया कि पाकिस्तान अपने किसी भी अंतरराष्ट्रीय भुगतान में चूक नहीं करेगा और वह सभी भुगतान तय समय के अनुसार करेगा। सीडीएस में थोड़े से व्यापार ने पुनर्भुगतान पर डिफ़ॉल्ट की गलत धारणा बना दी थी।

ओयो में भी 600 कर्मचारियों की छंटनी, भारतीय कंपनी में करते हैं लगभग 3,700 लोग काम

नयी दिल्ली। आईपीओ लाने की तैयारी में जुड़ी यात्रा प्रौद्योगिकी फर्म ओयो ने शनिवार को बताया कि वह प्रौद्योगिकी और कॉरपोरेट क्षेत्र में 600 नौकरियों की कटौती करेगी इस तरह कंपनी अपने 3,700 कर्मचारियों में करीब 10 प्रतिशत को कम करेगी। साथ ही कंपनी संबंध प्रबंधन दल में करीब 250 लोगों की भर्ती भी करेगी। ओयो ने कहा कि यह कदम उसके संगठनात्मक ढांचे में व्यापक बदलावों को लागू करने का हिस्सा है। कंपनी अपने उत्पाद और इंजीनियरिंग, कॉरपोरेट मुख्यालय और ओयो वैकेशन होम्स के दल का आकार घटा रही है। इसके अलावा संबंध प्रबंधन और कारोबार विकास के क्षेत्र में भर्ती की जा रही है। एक बयान में कहा गया, ओयो अपने 3,700 कर्मचारियों में 10 प्रतिशत को कम करेगी, जिसमें 250 सदस्यों की नयी भर्ती और 600 कर्मचारियों की छंटनी शामिल है। कंपनी ने बताया कि सुचारू कामकाज के लिए उत्पाद और इंजीनियरिंग टीमों का विलय किया जा रहा है। बेहतर उपभोक्ता और पार्टनर सेवा के लिए संबंध प्रबंधन दल में 250 सदस्यों को जोड़ा जाएगा। इससे कंपनी के मंच पर होटलों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी। ओयो के संस्थापक और समूह सीईओ रितेश अग्रवाल ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे कि जिन लोगों को हम जाने दे रहे हैं, उनमें से अधिकांश को अच्छी जगह काम मिल जाए। इन कर्मचारियों का समर्थन करने के लिए ओयो टीम का प्रत्येक सदस्य और खुद मैं सक्रिय रूप से काम करूंगा।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने आवासीय परियोजना के लिए 750 करोड़ रुपए में मुंबई में खरीदी 18.6 एकड़ भूमि

नई दिल्ली: गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने अनेक सुविधाओं वाली महंगी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए 750 करोड़ रुपए में मुंबई के कांदिवली में 18.6 एकड़ भूमि खरीदी है। कंपनी को उम्मीद है कि इस परियोजना से उसे 7,000 करोड़ रुपए का बिक्री राजस्व प्राप्त होगा। कंपनी ने भूमि सौदे के बारे में शुक्रवार को जानकारी दी थी लेकिन सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया था। बाजार के सूत्रों और संपत्ति परामर्शदाताओं ने कहा कि यह सौदा 750 करोड़ रुपए में हुआ है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजारों को बताया कि इस परियोजना में 37.2 लाख वर्गफुट क्षेत्र विकसित करने की संभावना है और लगभग 7,000 करोड़ रुपए का बिक्री राजस्व मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना में मुख्य रूप से महंगे आवासीय अपार्टमेंट और आवश्यक खुदरा क्षेत्र होंगे। यह कंपनी की सबसे बड़ी आवासीय परियोजनाओं में से एक होगी और मुंबई के पश्चिमी उपनगरों में कंपनी की मौजूदगी को मजबूती करेगी। कंपनी ने बताया कि मौजूदा वित्तीय वर्ष में यह उसकी आठवीं परियोजना है और इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष में जोड़ी गई कई परियोजनाओं के जरिए उसका कुल बुकिंग मूल्य लगभग 16,500 करोड़ रुपए है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मोहित मल्होत्रा ने कहा, ''इस परियोजना से अगले कुछ वर्षों में मुंबई के बाजार में हमारी हिस्सेदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह महत्वपूर्ण रियल एस्टेट बाजारों में अपनी पैठ बढ़ाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है।'

चुनावी बॉन्ड की 24वीं किस्त को मंजूरी, सोमवार से होंगे जारी

नयी दिल्ली, ।सरकार ने राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए इस्तेमाल होने वाले चुनावी बॉन्ड की 24वीं किस्त जारी करने की शनिवार को अनुमति दे दी। इनकी बिक्री पांच दिसंबर से होगी। इसी दिन गुजरात विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण भी होना है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चुनावी बॉन्ड की बिक्री 5 दिसंबर से शुरू होगी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की 29 अधिकृत शाखाओं से इन बॉन्ड की खरीद 12 दिसंबर तक की जा सकेगी। चुनावी बॉन्ड की 23वीं किस्त 9 से 15 नवंबर तक खुली थी। राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए नकदी के विकल्प के तौर पर चुनावी बॉन्ड जारी करने की व्यवस्था लागू की गई। बॉन्ड को कोई भी भारतीय नागरिक या भारत में स्थापित कंपनी खरीद सकती है। चुनावी बॉन्ड की पहली किस्त की बिक्री 1-10 मार्च, 2018 में की गई थी। चुनावी बॉन्ड को एसबीआई की लखनऊ, शिमला, देहरादून, कोलकाता, गुवाहाटी, चेन्नई, पटना, नयी दिल्ली, चंडीगढ़, श्रीनगर, गांधीनगर, भोपाल, रायपुर एवं मुंबई समेत 29 शाखाओं से खरीदा और भुनाया जा सकेगा। एक चुनावी बॉन्ड की वैधता जारी किए जाने की तारीख से 15 दिनों तक होगी। वैधता अवधि बीतने के बाद अधिकृत शाखाओं में बॉन्ड जमा किए जाने पर राजनीतिक दलों को कोई भी भुगतान नहीं मिल पाएगा। पिछले लोकसभा चुनाव या राज्य के विधानसभा चुनाव में न्यूनतम एक प्रतिशत मत पाने वाले पंजीकृत दल चुनावी बॉन्ड के जरिये चंदा लेने के लिए पात्र हैं।

नए साल से महंगे हो जाएंगे मारुति के वाहन, कंपनी ने कहा मुद्रास्फीति के कारण लागत पर दबाव बढ़ा

मुंबई। (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की कारें नए साल से महंगी हो जाएंगी। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले महीने से अपने विभिन्न मॉडलों के दाम बढ़ाने जा रही है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में मारुति ने कहा कि कुल मुद्रास्फीति और हालिया नियामकीय जरूरतों के बीच कंपनी पर लागत दबाव बढ़ा है। कंपनी ने कहा कि उसने लागत को कम करने के लिए अधिकतम प्रयास किए हैं और आशिंक रूप से इस वृद्धि को रोकने की कोशिश की है। लेकिन अब कीमतों में वृद्धि जरूरी हो गई है। कंपनी की जनवरी, 2023 से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना है। यह सभी मॉडलों पर अलग-अलग होगी। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया है कि वह कीमतों में कितनी वृद्धि करने जा रही है।

अश्विनी वैष्णव ने की 42 सीईओ के साथ बैठक, कहा- आने वाले वर्षों में भारत बनेगा प्रौद्योगिकी निर्यातक देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक राउंड टेबल कांफ्रेंस में दूरसंचार क्षेत्र की निर्माण कंपनियों के 42 सीईओ के साथ बैठक की अध्यक्षता की। दूरसंचार क्षेत्र के लिए पीएलआई पर सीईओ गोलमेज सम्मेलन पर केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज हमने दूरसंचार क्षेत्र की विभिन्न निर्माण कंपनियों के 42 सीईओ के साथ बैठक की और भारत को दूरसंचार प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनाने के लिए पीएम मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप हमने बातचीत की।

केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) योजना अच्छी तरह से तैयार की गई है और इसकी सादगी के लिए इसकी सराहना की गई है ... नए विचार सामने आए जिसके लिए 5-6 टास्क फोर्स का गठन किया गया है। भारत को आने वाले वर्षों में बहुत निश्चित और निश्चित तरीके से एक प्रौद्योगिकी निर्यातक बनना चाहिए।

मर्सिडीज-बेंज ने भारतीय बाजार में जीएलबी, ईक्यूबी मॉडल उतारे, कीमत 63.8-74.5 लाख रुपये

मुंबई। (एजेंसी)। लक्जरी कार कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने शुक्रवार को देश में दो सात सीटों वाले स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी)- जीएलबी और ईक्यूबी पेश किए हैं। इन वाहनों की शोरूम कीमत 63.8 लाख रुपये से 74.5 लाख रुपये के बीच है। जीबीएल श्रृंखला के तीन ट्रिम की कीमतें क्रमश- 63.8 लाख रुपये, 66.8 लाख रुपये और 69.8 लाख रुपये हैं। वहीं पूर्ण इलेक्ट्रिक ईक्यूबी 300 4मैटिक की कीमत 74.5 लाख रुपये हैं। मर्सिडिज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्टिन श्वेंक ने बयान में कहा, ''ये दोनों एसयूवी बड़े परिवारों के लिए बेहतर हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी पहली बार अपने ग्राहकों के लिए तीन संस्करण- पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक को एक साथ पेश कर रही है। पुणे स्थित कंपनी ने कहा कि उसके देशभर में 30 तेजी से चार्ज करने वाले चार्जर स्थापित हैं और इस महीने के अंत तक इनकी संख्या में 10 की और वृद्धि होगी।

बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को जाना हुआ आसान, एयरलाइन ने शुरू की सीधी फ्लाइट

नई दिल्ली: (एजेंसी)। भारत के सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु से अब अमेरिका जाना आसान हो गया है। टाटा ग्रुप की कंपनी एयर इंडिया ने यह सेवा शुरू की है। कंपनी ने शुक्रवार को बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को की डायरेक्ट फ्लाइट सेवा फिर से शुरू कर दी है।

इसके साथ एयरलाइन की विभिन्न भारतीय और अमेरिकी शहरों के बीच हर सप्ताह 37 डायरेक्ट फ्लाइट हो गई हैं। टाटा ग्रुप ने इस साल जनवरी में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। उसके बाद से वह लगातार अपने नेटवर्क और बेड़े का विस्तार कर रहा है।

डायरेक्ट फ्लाइट का परिचालन सप्ताह में 3 दिन

एयरलाइन ने बयान में कहा कि वह बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को की डायरेक्ट फ्लाइट फिर शुरू कर रही है। इस फ्लाइट का परिचालन सप्ताह में 3 दिन शुक्रवार, रविवार और बुधवार को होगा। इस फ्लाइट सेवा के लिए एयरलाइन बोइंग 777-200 एलआर विमान का इस्तेमाल करेगी। यह फ्लाइट शुक्रवार से शुरू हो गई। एयर इंडिया ने इससे पहले बेंगलुरु-सैन फ्रांसिस्को फ्लाइट का संचालन 20 मार्च, 2022 को किया था।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बेंगलुरू में सबसे अधिक बढ़ेगा कार्यालयों का किराया: रिपोर्ट

नयी दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरू में अगले साल कार्यालयों के किराये में 5-7 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है। संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक ने 'एशिया-प्रशांत परिदृश्य 2023' पर अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि इस क्षेत्र में 2023 में किराये की वृद्धि मध्यम होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक कॉरपोरेट व्यवसायी अपने खर्चों में कटौती करना चाहते हैं, जिसके चलते किराया सामान्य रूप से बढ़ेगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'उम्मीद है कि भारतीय कार्यालय बाजारों में 2022 का स्थिर प्रदर्शन 2023 में भी बना रहेगा।'

नाइट फ्रैंक ने कहा कि 2023 में बेंगलुरू में कार्यालयों का किराया सालाना आधार पर 5-7 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है। रिपोर्ट में एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 शहरों का अध्ययन किया गया। इन शहरों में मुंबई और नयी दिल्ली शामिल हैं। नयी दिल्ली में 2023 में कार्यालयों का किराया 4-6 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। मंबई में 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि पश्चिमी देशों में मंदी के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भार पड़ रहा है, जबकि भारत उम्मीद की किरण बना हुआ है।

धीरूभाई के जन्मदिन पर इस कंपनी को खरीदेंगे मुकेश अंबानी, दमानी के साथ होगा मुकाबला

नयी दिल्ली (एजेंसी)। एशिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी अपने पिता धीरूभाई अंबानी के जन्मदिन यानी 28 दिसंबर को एक नई कंपनी का अधिग्रहण करने जा रहे हैं। यह अधिग्रहण होगा जर्मन रिटेलर मैट्रो एजी कैश एंड कैरी का। 4000 करोड़ रुपए से ज्यादा की यह डील लगभग फाइनल हो चुकी है। मुकेश अंबानी मैट्रो के 31 स्टोर्स को मल्टी ब्रांड रिटेल चेन बनाने का विचार कर रहे हैं। इस टेकओवर के साथ मुकेश अंबानी एक और नई जंग का आगाज कर देंगे। मैट्रो

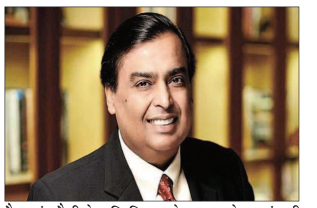

कैश एंड कैरी के एक्विजिशन के साथ मुकेश अंबानी का सीधा मुकाबला राधाकिशन दमानी के रिटेल चेन डीमार्ट और हाईपर मार्कीट से होना तय है।

रिलायंस के कब्जे में क्या आएगा?

जानकारों की मानें तो रिलायंस लगभग 500 मिलियन यूरो (4,060 करोड़ रुपए) की अनुमानित डील में मैट्रो की भारत यूनिट का अधिग्रहण करेगी, जिसमें देश में मैट्रो कैश एंड कैरी के स्वामित्व वाले 31 होलसेल डिस्ट्रीब्यूशन सैंटर्स, लैंड बैंक्स और अन्य एसैट्स शामिल हैं। इससे देश के सबसे बड़े रिटेलर रिलायंस रिटेल को बी2बी सेगमैंट में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

महंगाई घटी तो 3 महीने के हाई पर मैन्युफैक्चरिंग पी.एम.आई., लगातार 17वें महीने 50 के पार हुआ लेवल

नई दिल्ली(एजेंसी)। महंगाई में नरमी आने का असर फैक्टरी एक्टिविटीज पर दिख रहा है। नवम्बर में भारत की फैक्टरी एक्टिविटीज 3 महीने के हाई पर पहुंच गई है। एस. एंड पी. ग्लोबल के मुताबिक नवम्बर महीने में भारत का मैन्यूफैक्चरिंग पी.एम.आई. बढ़कर 55.7 पहुंच गया है।

यह 3 महीने में सबसे ज्यादा है। बता दें कि अक्तूबर में मैन्यूफैक्चरिंग 7.41 फीसदी से अक्तूबर में घ पी.एम.आई. 55.3 के लेवल पर था। नवम्बर 2022 लगातार 17वां महीना दर्शाता है कि आगे कीमतों में बत जब मैन्यूफैक्चरिंग पी.एम.आई. की दर घट सकती है, जि का लेवल 50 के पार बना हुआ है। मैन्यूफैक्चरर्स को कुछ राहत मिल पी.एम.आई. का 50 से अधिक होना है, जबकि 50 से नीचे होना संकुचन को दिखाता है।

इनपुट कास्ट इनफ्लेशन 2 साल के पार

एक निजी सर्वे के मुताबिक ग्लोबल इकोनॉमिक कंडीशन में गिरावट के बावजूद डिमांड बनी हुई है, क्योंकि इनपुट कास्ट इनफ्लेशन 2 साल के निचले स्तर पर हैं। दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में कंज्यूमर इनफ्लेशन सितम्बर के 5 महीने के हाईलेवल 7.41 फीसदी से अक्तूबर में घटकर 6.77 फीसदी पर आ गया, जो यह दर्शाता है कि आगे कीमतों में बढ़ौतरी की दर घट सकती है, जिससे मैन्यूफैक्चरिंग को कुछ राहत मिलेगी।

मंदी की आशंकाओं के बीच बेहतर प्रदर्शन

एस. एंड पी. ग्लोबल मार्कीट इंटैलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरैक्टर पोलियाना डी. लीमा ने कहा कि भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सैक्टर ने नवम्बर में अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की आशंका और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बिगड़ते आऊटलुक के बीच मैन्यूफैक्चरिंग सैक्टर का प्रदर्शन भारत में बेहतर रहा। यह गुड्स प्रोड्यूसर्स के लिए हमेशा की तरह बिजनैस था, जिन्होंने बढ़ रही डिमांड के बीच प्रोडक्शन वैल्यू माक 3 महीने के हाई पर पहुंचा दिया।

रोजगार में बढ़ौतरी

पॉजिटिव सैंटीमेंट को दर्शाते हुए अक्तूबर को छोड़कर जनवरी 2020 के बाद से रोजगार सबसे तेज दर से बढ़ा है। विशेष रूप से कंज्यूमर और इंटरमीडिएट वस्तुओं के लिए मजबूत मांग और मार्केटिंग ने नए ऑर्डर सब-इंडैक्स को 3 महीने के हाई लेवल पर पहुंचा दिया है। अंतर्राष्ट्रीय मांग में लगातार 8वें महीने और अक्तूबर के समान गति से बढ़ौतरी हुई। 26 महीनों में इनपुट कास्ट सबसे धीमी गति से बढ़ी है, जिससे निर्माताओं को कुछ राहत मिली।

भारत बनाम बांग्लादेश: रोहित शर्मा की कप्तानी में वनडे सीरीज में टॉप ऑर्डर पर ध्यान देगी भारतीय टीम

मीरपुर (एजेंसी)। भारत के शीर्ष बल्लेबाजी क्रम का उद्देश्य बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को यहां शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में परिवर्तन लाने के साथ और अधिक जज्बा दिखाने का होगा जिसमें अनुभवी शिखर धवन और प्रतिभाशाली केएल राहुल के बीच सलामी बल्लेबाज स्थान के लिये द्वंद्व की स्थिति होगी। अगर निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे युवा शुभमन गिल (इस श्रृंखला के लिये आराम दिया गया) भी इस टीम में शामिल हो जायें तो कोच राहुल द्रविड़ के लिये भारतीय शीर्ष क्रम की पहेली को सुलझाना मुश्किल होगा। अगले एक साल में ध्यान सिफ वनडे पर लगा होगा और 50 ओवर में भारत के रवैये में बड़े बदलाव की जरूरत है।

कभी कभार ज्यादा विकल्प होना भी वास्तव में अच्छा सिरदर्द नहीं होता क्योंकि इससे ज्यादा भम्र की स्थिति उत्पन्न होती है। जब एक ही तरह के कौशल में कई विकल्प होते हैं तो कोच हर किसी को बराबरी के मौके देने का प्रयास करता है लेकिन इससे संतुलित लाइन अप नहीं बन पाती और जब कोई बड़ा टूर्नामेंट करीब ही हो तो यह आदर्श स्थिति नहीं है। इस समय भारत की सफेद गेंद की टीम इसी दौर से गुजर रही है। कुछ साल पहले रोहित शर्मा और शिखर धवन भारत के वनडे में सलामी जोड़ीदार के रूप में पसंदीदा जोड़ी होती थी जिस पर बमुश्किल ही कोई सवाल पूछा जाता था या फिर उनके स्थान पर बहस की जाती थी। लेकिन धवन के पावरप्ले में धीमे खेल और गिल के आने से संभावनायें पैदा होनी ही थी।

केएल राहुल शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं और उन्हें इसमें सफलता भी मिली है, लेकिन पूर्व कोच रवि शास्त्री के कार्यकाल के दौरान उन्होंने मध्यक्रम में कुछ मैच खेले। लेकिन विडंबना यह है कि इतनी संख्या देखते हुए भी इससे स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा है कि श्रृंखला के लिये रोहित के साथ पारी का आगाज करने के लिये किसे होना चाहिए। धवन ने 2022 में भारत के लिये 19 वनडे में पारियों का आगाज किया है, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 75.11 रहा है जो इतना अच्छा नहीं है। जबकि 2016-18 में यह स्ट्राइक रेट 101 हुआ करता था और 2019-21 में यह गिरा लेकिन फिर भी 91 तक ठीक ठाक रहा। राहुल ने 45 वनडे में पांच शतक और 10 अर्धशतक जड़े हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 85 से ज्यादा का है और औसत 45 है जिससे वह बेहतर उम्मीदवार लगते हैं। लेकिन अगर टीम प्रबंधन 'जेट लेग' के बाद धवन को आराम देना चाहते हैं तो राहुल निश्चित रूप से शीर्ष में रोहित के साथ होंगे।

धवन न्यूजीलैंड से सीधे मीरपुर में टीम से जुड़े हैं। मध्यक्रम की बात की जाये तो विराट कोहली का तीसरा नंबर तय है, श्रेयस अय्यर भी भारत के चौथे स्थान पर धीरे धीरे अपनी पैठ बना रहे हैं। इंग्लैंड में वनडे श्रृंखला में प्रदर्शन के बाद ऋषभ पंत लाइन अप में पांचवें स्थान के लिये ईशान किशन से आगे ही रहेंगे। टी20 में कई बार सस्ते में आउट होने के बाद पंत को काफी आलोचना झेलनी पड़ी है लेकिन वह 50 ओवर के प्रारूप में पहली पसंद के विकेटकीपर बने रहेंगे। किशन टी20 में पारी का आगाज करना पसंद करते हैं, उन्होंने वनडे में तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तीन अर्धशतक जड़े हैं।

माना जा रहा है कि किशन को 'फिनिशर' के तौर पर नहीं देखा जा रहा है तो अगर वह खेलते हैं तो उन्हें शीर्ष चार स्थान में ही कहीं फिट किया जायेगा। लेकिन अगर राहुल विकेटकीपिंग करते हैं तो यह पूरा समीकरण ही उलट जायेगा। इस श्रृंखला में संजू सैमसन नहीं हैं तो रजत पाटीदार और राहुल त्रिपाठी मौका मिलने की उम्मीद करेंगे जिन्होंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया है। त्रिपाठी थोड़ी गेंदबाजी भी करते हैं तो हार्दिक पंड्या (कार्यभार के कारण विश्राम दिया गया) की अनुपस्थिति में 'बैक-अप' विकल्प हो सकते हैं।

मोहम्मद शमी कंधे की चोट से बाहर हो गये हैं तो उमरान मलिक के पास ऐसी पिच पर अपनी गेंदबाजी का हुनर दिखाने का मौका है जिनके बल्लेबाजों के मुफीद होने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के हालात में भी उन्होंने प्रभावित किया था। दीपक चाहर, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर का नियमित कप्तान तमीम इकबाल के बिना खेलने वाली बांग्लादेश के खिलाफ खेलना निश्चित है। बांग्लादेश के नव नियुक्त वनडे कप्तान लिटन दास अच्छे प्रदर्शन से अगुआई करना चाहेंगे लेकिन तास्किन अहमद के बिना खेल रही टीम के लिये यह असली परीक्षा भी होगी। मुस्तफिजुर रहमान, इबादत हुसैन और शाकिबुल हसन की फॉर्म में उनका आक्रमण पैना होगा लेकिन ऐसा नहीं है कि इससे निपटा नहीं जा सकता।

टीमें इस प्रकार हैं–

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रजत पाटीदार, राहुल त्रिपाठी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप सेन, उमरान मलिक, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, शाहबाज अहमद, मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश: लिटन दास, अनामुल हक बिजॉय, शाकिबुल हसन, मुश्फिकुर रहीम, अफीफ हुसैन, यासिर चौधरी, मेहदी हसन मिराज, मुस्तफिजुर रहमान, तास्किन अहमद, हसन महमूद, इबादत हुसैन चौधरी, नासुम अहमद, महमूद उल्लाह, नजमुल हुसैन शांटो, काजी नुरूल हसन सोहन, शोरफुल इस्लाम।

बांग्लादेश सीरीज से पहले दीपक चाहर के साथ हुआ दुर्व्यवहार, ट्वीट कर शेयर की जानकारी

मीरपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज दीपक चाहर इन दिनों टीम के साथ बांग्लादेश के दौरे पर है, जिसकी शुरुआत एक दिवसीय मैच के साथ चार दिसंबर से होने वाली है। दोनों देशों के बीच होने वाली तीन दिवसीय वनडे सीरीज के लिए दीपक चाहर भी बांग्लादेश पहुंचे है।

सीरीज की शुरुआत से पहले शनिवार को तेज गेंदबाज दीपक ने दावा किया कि बांग्लादेश पहुंचने के दौरान उन्हें फ्लाइट में कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि जब वो न्यूजीलैंड से ढाका की यात्रा कर रहे थे तब मलेशियाई एयरलाइंस ने उनका सामान खो दिया था। उन्होंने कहा कि वो बिजनेस क्लास में यात्रा कर रहे थे, इसके बावजूद उन्हें फ्लाइट के दौरान भोजन नहीं उपलब्ध करवाया गया था।

एयरलाइंस के इस व्यवहार से दीपक चाहर काफी आहत दिखे। बता दें कि दीपक चाहर बांग्लादेश के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम से जुड़े हैं। दीपक चाहर ने शनिवार की सुबह टीम के साथ ट्रेनिंग में भी हिस्सा लिया है। हालांकि ट्रेनिंग सेशन के लिए टीम के साथ जुड़ने से पहले दीपक ने ट्वीट कर इस घटना की जानकारी साझा की है। उन्होंने ट्विटर पर अपना अनुभव साझा करते हुए लिखा कि मलेशियाई एयरलाइन्स से यात्रा करना बहुत बुरा अनुभव रहा। पहले उन्होंने हमारी उड़ान बदल दी और इसकी जानकारी तक हमें नहीं दी और फिर बिजनेस क्लास में भोजन भी मुहैया नहीं कराया।

उन्होंने आगे बताया कि अब हम पिछले 24 घंटे से अपने सामान का इंतजार कर रहे हैं जबकि कल हमें मैच खेलना है। न्यूजीलैंड में वनडे श्रृंखला समाप्त होने के बाद चाहर, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, शिखर धवन, शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर क्राइस्टचर्च से कुआलालंपुर होते हुए ढाका पहुंचे। सूर्यकुमार यादव (विश्राम दिए जाने के कारण) और उमरान मलिक सीधे भारत पहुंचे।

मलिक को हालांकि अब बांग्लादेश का दौरा करना होगा क्योंकि उन्हें चोटिल मोहम्मद शमी की जगह वनडे टीम में शामिल किया गया है। मलेशिया एयरलाइंस ने चाहर को शिकायत दर्ज करने के लिए एक लिंक भेजा लेकिन क्रिकेटर का कहना है कि यह लिंक खुल नहीं रहा है।

एयरलाइंस ने मांगी माफी

दीपक चाहर द्वारा किए गए ट्वीट और शिकायत को मलेशिया एयरलाइंस ने भी सख्ती से लिया है। शिकायत के बाद मलेशिया एयरलाइंस ने ट्विटर पर जवाब दिया,'' परिचालन, मौसम संबंधी और तकनीकी कारणों से ऐसा हो सकता है। हम असुविधा के लिए क्षमा प्रार्थी हैं।

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चोट के कारण बांग्लादेश वनडे से बाहर, उमरान मलिक टीम में शामिल

नयी दिल्ली।(एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कंधे में चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे और उनकी जगह उमरान मलिक को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को यह जानकारी दी। शमी ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। उनका 14 दिसंबर से चटगांव में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलना भी संदिग्ध है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा,'' तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बांग्लादेश के खिलाफ वनडे श्रृंखला से पहले अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके कंधे में चोट लगी है और अभी वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में बीसीसीआई की चिकित्सा टीम की निगरानी में हैं। वह तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। अखिल भारतीय चयन समिति ने शमी की जगह उमरान मलिक को टीम में शामिल किया है।'' शमी की चोट की गंभीरता का पता नहीं चला। बंगाल का यह तेज गेंदबाज अगले साल होने वाले वनडे विश्वकप को देखते हुए इस प्रारूप में भारतीय टीम का अहम अंग है। शमी ने स्वयं ट्विटर पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की जिसमें वहां कंधे की चोट का उपचार करा रहे हैं।

पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड: तीसरे दिन का खेल खत्म, पाकिस्तान ने इंग्लैंड को दिया करारा जवाब, लगे 3 शतक

रावलपिंडी (एजेंसी)। कप्तान बाबर आजम की आक्रामक शतकीय पारी के दम पर पाकिस्तान ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को यहां चाय के विश्राम तक तीन विकेट पर 411 रन बनाकर इंग्लैंड को करारा जवाब दिया। इंग्लैंड ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 657 रन बनाये थे। चाय के विश्राम के समय पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड से 246 रन पीछे है और उसके सात विकेट बचे हुए हैं कप्तान बाबर आजम इस मैच में शतक जड़ने वाले सातवें बल्लेबाज है। वह 132 गेंद में 106 रन का खेल रहे है जबकि पदार्पण कर रहे बायें हाथ के बल्लेबाज सउद शकील 35 रन पर बल्लेबाजी कर रहे है।

पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 181 रन से आगे की और टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक और अब्दुल्ला शफीक ने अपने-अपने शतक पूरे किये। दोनों की 225 रन की साझेदारी को विल जैक्स ने शफीक को आउट कर तोड़ा। यह पहली बार है जब किसी टेस्ट की पहली पारी में दोनों टीमों के चारों सलामी बल्लेबाज ने शतकीय पारियां खेली। शफीक ने 203 गेंद की पारी में 114 रन बनाये। इमाम 207 गेंद में 121 रन बनाकर जैक लीच का शिकार बने।

अजहर अली दिन के शुरुआती सत्र में आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज रहे। जेम्स एंडरसन की गेंद पर उन्हें जीवनदान मिला लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। उनकी 48 गेंद में 27 रन की पारी का अंत लीच ने पगबाधा कर के किया। इसके बाद बाबर को शकील का अच्छा साथ मिला और दोनों ने दूसरे सत्र में इंग्लैंड के गेंदबाजों को सफलता से दूर रखा। दोनों ने अब तक 121 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। बाबर ने लीच की गेंद पर छक्के के साथ 68 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया तो वहीं बेन स्टोक के खिलाफ कवर ड्राइव पर चौका जड़ 126 गेंद में करियर का आठवां शतक पूरा किया।

एशिया कप 2023 के विवाद पर पीसीबी चीफ रमीज राजा ने दी टूर्नामेंट ना खेलने की धमकी

रावलपिंडी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने शुक्रवार को कहा कि अगर एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) टूर्नामेंट को स्थानांतरित करने का फैसला करती है तो पाकिस्तान एशिया कप से हट जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा था कि भारत अगले साल एशिया कप एकदिवसीय टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा। जिसके बाद पीसीबी ने भारत में होने वाले विश्व कप से हटने की धमकी दी थी। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआत टेस्ट के दूसरे दिन मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रमीज ने कहा कि पाकिस्तान एशिया कप को देश से बाहर ले जाने को सिर्फ इसलिए स्वीकार नहीं करेगा क्योंकि भारत यहां का दौरा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है, अगर भारत पाकिस्तान नहीं आ सकता है, तो हमारे पास एशिया कप में नहीं खेलने का विकल्प है। भारत ने आखिरी बार एशिया कप एकदिवसीय टूर्नामेंट के लिए साल 2008 में पाकिस्तान का दौरा किया था। रमीज ने इससे पहले धमकी दी थी कि अगर भारत किसी भी कारण से पाकिस्तान दौरे से बचना जारी रखता है तो पाकिस्तान अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए भारत का दौरा नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जब दुनिया की सभी बड़ी टीमें पाकिस्तान का दौरा कर रही और उन्हें सहज महसूस करने के लिए राजनयिक स्तर की सुरक्षा दी जा रही। ऐसे में भारतीय टीम के पास पाकिस्तान दौरे पर नहीं आने का ठोस कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि भारत आएगा या नहीं आएगा तो क्या होगा, लेकिन हम नहीं चाहते कि टूर्नामेंट पाकिस्तान से बाहर हो। अगर ऐसा होता है, तो हम पूरी तरह से इस आयोजन से हटने पर विचार करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5-1 से दी करारी शिकस्त, सीरीज पर किया कब्जा

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां चौथे हॉकी टेस्ट मैच में भारत को 5-1 से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की। पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई जिसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 25वें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में भारतीय रक्षा पंक्ति ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन बाद में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाई।

दूसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में भारतीय रक्षा पंक्ति बिखर गई जिसका फायदा उठाकर जेरेमी हेवर्ड (29वें) और जेक व्हीटन (30वें) ने 50 सेकेंड के अंदर दो गोल करके ऑस्ट्रेलिया को मध्यांतर से पहले बढ़त दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में पूरा दबदबा बनाया। टॉम विकम (34वें) ने उसकी बढ़त को मजबूत किया जबकि हेवर्ड ने 41वें मिनट में अपना दूसरा और टीम की तरफ से चौथा गोल किया। मैट डॉसन ने 54वें मिनट में भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक को छका कर ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पांचवा गोल दागा। भारत ने बुधवार को तीसरे टेस्ट मैच में आखिरी क्षणों में गोल करके ऑस्ट्रेलिया को 4-3 से हराकर श्रृंखला में अपनी उम्मीदें जीवंत रखी थी। भारतीय टीम पहले टेस्ट मैच में 4-5 से हार गई थी जबकि तीसरे टेस्ट में ब्लैक गोवर्स की हैट्रिक के कारण उसे 4-7 से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। दोनों टीम के बीच पांचवा और अंतिम मैच रविवार को खेला जाएगा।

फीफा विश्व कप 2022 में दिखा एशियाई टीमों का दम, बदला टूर्नामेंट का रुख

दोहा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2022 का आयोजन इस बार कतर में किया जा रहा है जो बेहद खास है। इस बार संभावना लग रही है कि फीफा विश्व कप विजेता कोई एशियाई टीम बन सकती है। 20 नवंबर से शुरू हुए फीफा विश्व कप का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। इस टूर्नामेंट में जापान और दक्षिण कोरिया जैसी टीमें भी नॉकआउट में जगह बनाने में कामयाब रही है। इन दोनों टीमों के अलावा कोई अन्य एशियाई टीम ग्रुप स्टेज की परीक्षा को पार करने में सफलता हासिल नहीं कर सकी है। इस वर्ल्ड कप के दूसरे दिन ही सऊदी अरब की टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए अर्जेंटीना की टीम को 2-1 से मात दी थी। वहीं जर्मनी की टी भी जापान के हाथों हार का स्वाद चख चुकी है। इस फीफा विश्व कप के दौरान ग्रुप स्टेज में एशियाई टीमों का प्रदर्शन भी दमदार रहा है। इस बार ईरान की टीम ग्रुप बी का हिस्सा थी, जहां इंग्लैड के खिलाफ पहले मैच में टीम ने छह गोल किए थे। इसके अगले मैच में ईरान की टीम मजबूती से खेलते हुए वेल्स की टीम को हराने में सफल रही थी। वहीं ग्रुप सी में सऊदी अरब की टीम ने अर्जेंटीना की टीम को 2-1 से मात दी थी। टूर्नामेंट का ये सबसे बड़े उलटफेर में से एक था। वहीं जापान ने पहली मैच में जर्मनी और स्पेन को मात दी है। वहीं ग्रुप एच में दक्षिण कोरिया ने पुर्तगाल को हराया था। कतर के अलावा एशियाई देशों का प्रदर्शन भी काफी हैरान करने वाला रहा है। इस टूर्नामेंट में दो पूर्वी देशों का सामना एशियाई देशों से है। फुटबॉल विश्लेषकों के मुताबिक मौजूदा हालात में इस नतीजे असंभव माना जा रहा है। मगर ऐसा ही खेल दिखता रहा तो आने वाले वर्षों में ये स्थिति भी काफी सामान्य लगने लगेगी। फुटबॉल में एशियाई टीमों को अगर किसी बड़े देश से हार का सामना करना पड़ेगा तो ये भी बड़ी बात हो सकती है। इसके पीछे एशियाई देशों में हुई प्रगति का भी खास रोल रहा है। दरअसल पिछले कुछ वर्षों में एशियाई देशों ने तकनीकी रूप से काफी प्रगति की है। इसमें जापान, कोरिया जैसे देशों का नाम सबसे ऊपर आता है। एशिया के कई देशों के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार हुआ है।

मैच के दौरान चढ़ा क्रिस्टियानो रोनाल्डो का पारा, दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी को चुप रहने के कहा

दोहा। पुर्तगाल और दक्षिण कोरिया के बीच हुआ मुकाबला काफी रोचक रहा है। इस मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बताया कि मैच के दौरान उनका और दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी का विवाद हो गया था। उन्होंने जानकारी दी कि दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी ने उनकी और उनकी टीम को जीत के बाद जल्दी मैदान छोड़ने को कहा था और उनकी आलोचना की थी। गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया के साथ हुए मुकाबले में हार का स्वाद चखने के बाद भी पुर्तगाल की टीम पॉइंट टेबल में शीर्ष पर बनी हुई है। हालांकि मैच में जब दक्षिण कोरिया की टीम आगे निकली तो पुर्तगाल के खिलाड़ी रोनाल्डो इस बात से काफी नाराज दिखे। यह तब हुआ जब मुझे प्रतिस्थापित किया गया था। उन्होंने कहा कि कोरियाई खिलाड़ी ने मुझे और जल्दी जाने के लिए कहा था, मगर मैंने उसे चुप रहने के लिए कहा क्योंकि उसके पास मुझसे ऐसे बात करने का कोई अधिकार नहीं है। रोनाल्डो ने कहा कि अगर मैं जल्दी मैदान से नहीं जा रहा था तो रेफरी मुझे इसके लिए टोक सकते थे। रोनाल्डो ने ये भी कहा कि वो उस पल की गहमागहमी में हुआ। उस मामले पर इतना विवाद खड़ा करने की आवश्यकता नहीं है। वहीं पुर्तगाल के कोच फर्नांडो सैंटोस ने कहा कि मैच के दौरान कोरिया के खिलाड़ी ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ जिस तरह से व्यवहार किया उससे वो नाराज था। उन्होंने कहा कि कोरिया का खिलाड़ी रोनाल्डो का अपमान कर रहा था। उन्हें फिल्ड से दूर और बाहर जाने को कह रहा था, जिससे रोनाल्डो को गुस्सा आया। उन्होंने ये भी कहा कि मैंने रोनाल्डो और कोरियाई खिलाड़ी के बीच मैदान में हुई बातचीत और व्यवहार को देखा है। हालांकि दक्षिण कोरिया के मिड फील्डर ह्वांग इन बीओम ने कहा कि मैंने मैदान पर ऐसा कुछ होते हुए नहीं देखा है। ऐसे में मैं इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं कर सकता हूं। हालांकि ये सिर्फ इस मामले को दबाने के लिए किया गया है।

फीफा विश्व कप : सर्बिया को शिकस्त देकर स्विट्जरलैंड अंतिम 16 में

दोहा। स्विट्जरलैंड ने सर्बिया को 3–2 से हराकर विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में लगातार तीसरी बार अंतिम 16 में जगह बनाई। शुक्रवार को खेले गए ग्रुप जी के इस मैच में रेमो फ्रेयुलर (48वें मिनट) ने मध्यांतर के तुरंत बाद विजयी गोल दागा। इस जीत से स्विट्जरलैंड ग्रुप में ब्राजील के बाद दूसरे स्थान पर रहा। वह अंतिम 16 में मंगलवार को लुसैल स्टेडियम में पुर्तगाल का सामना करेगा। जेरदान शाकिरी ने 20वें मिनट में स्विट्जरलैंड के लिए पहला गोल दागकर उसे बढ़त दिलाई लेकिन सर्बिया ने अलेक्जेंडर मित्रोविच (26वें मिनट) और दुसान व्लाहोविच (35वें मिनट) के गोल की मदद से शानदार वापसी की। ब्रेल एम्बोलो (44वें मिनट) ने मध्यांतर से ठीक पहले गोल करके स्विट्जरलैंड को बराबरी दिलाई। स्विट्जरलैंड इससे पहले ब्राजील से हार गया था जबकि उसने कैमरून को हराया था। ऐसे में सर्बिया के खिलाफ जीत से उसका अंतिम 16 में स्थान पक्का था। उसके और ब्राजील के समान छह अंक रहे लेकिन दक्षिण अमेरिकी टीम बेहतर गोल अंतर के कारण ग्रुप में शीर्ष पर रही। स्विट्जरलैंड की टीम ब्राजील में खेले गए 2014 के विश्वकप और इसके चार साल बाद रूस में भी अंतिम 16 में पहुंची थी। उसे हालांकि इन दोनों विश्वकप में क्रमश: अर्जेंटीना और स्वीडन से 1–0 के समान अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। स्विस टीम अगर पुर्तगाल को हराने में सफल रहती है तो यह 1954 के बाद पहला अवसर होगा जबकि वह क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएगी। स्विट्जरलैंड ने 1954 में विश्व कप की मेजबानी की थी।

ऐसा तो गावस्कर, कपिल, तेंदुलकर, धोनी के साथ भी हुआ, किसी को भी नहीं बख्शा गया : शास्त्री

इस्लामाबाद(एजेंसी)। भारत अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिए बांग्लादेश के खिलाफ रविवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के साथ अपनी राह शुरू करेगा। पिछले महीने टी20 विश्व कप से भारत के बाहर होने के बाद से इस सीरीज में रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों की वापसी होगी। द मेन इन ब्लू ने भले ही अपने आईसीसी खिताबी सूखे को खत्म करने का एक और मौका गंवा दिया हो, लेकिन विश्व कप का एक और साल नजदीक आ रहा है। रोहित और कोहली से आगामी विश्व कप में टीम को खिताब दिलाने की उम्मीद रहेगी। लेकिन इसके लिए दोनों के बल्ले से रन निकलने चाहिए।

कोहली एशिया कप और टी20 विश्व कप में खूब रन बनाने में सफल रहे। हालांकि कप्तान रोहित संघर्ष करते दिखे हैं। लेकिन वनडे फॉर्मेट ऐसा है जहां दोनों रन बनाना पसंद करते हैं। रोहित और कोहली के फॉर्म के बारे में बहुत कुछ कहा गया है और अगर भारत को विश्व कप जीतना है तो उनका चलना महत्वपूर्ण रहेगा। हालांकि, दोनों को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। यहां तक माना जा रहा है कि रोहित बाहर भी हो सकते हैं। इस बीच भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री, जिन्होंने कोहली और रोहित दोनों को करीब से देखा है, भारत के दो प्रमुख बल्लेबाजों का बचाव करने के लिए कूद पड़े हैं। उन्होंने कहा कि फॉर्म का नुकसान एक ऐसी चीज है जिससे कोई भी बल्लेबाज बच नहीं पाया है और जब भारतीय क्रिकेटर उतना ज्यादा खेलते हैं, तो ऐसा होना तय है।

शास्त्री ने कहा, 'आपको फॉर्म में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। यह केवल स्वाभाविक है। यह हर किसी के साथ हुआ है। जब जरूरत पड़ी, तो गावस्कर, कपिल देव, तेंदुलकर, धोनी के साथ भी हुआ ... किसी को भी नहीं बख्शा गया। सभी के पास अपना समय है क्योंकि उम्मीदें बहुत अधिक हैं। हम भारतीय... हम बहुत उम्मीद करते हैं, हम एक ही समय में निरंतरता चाहते हैं। लेकिन हमें यह भी सोचना चाहिए कि वे सभी इंसान हैं। आप उनसे हर समय सड़क पर रहने और प्रदर्शन करने की उम्मीद नहीं कर सकते। कभी-कभी ऐसा होता है।'

रोहित और कोहली की जोड़ी साझेदारी में बल्लेबाजी करते हुए वनडे में 5000 रन पूरे करने से 86 रन दूर है, जो आगामी तीन वनडे मैचों के दौरान हासिल होने की संभावना है। कोहली, 7324 रन के साथ, घर से दूर वनडे में भारत के लिए तीसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बनने से 39 दूर है। वह अपने कोच राहुल द्रविड़ के 7362 रन के रिकॉर्ड को तोड़ेंगे। कोहली का बांग्लादेश में वनडे में बल्लेबाजी औसत 80.8 है, जो किसी एक देश में सबसे अधिक है।

वोटिंग के दौरान ली गई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद साइबर क्राइम को जांच सौंपी गई

सूरत।

मतदान केंद्र में मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध होने के बावजूद कांग्रेस भाजपा तथा आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा वोटिंग देते वक्त की फोटो लेकर सोशल मीडिया पर वायरल की गई। जिसकी शिकायत जिला अधिकारी को की गई जिला अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश जारी कर दिए।

कई मतदान केंद्रों पर पुलिस एवं आर्मी के जवानों द्वारा मतदाताओं को मोबाइल फोन ले जाने से रोका गया। और चुनाव आयोग की गाइडलाइन समझाई गई लेकिन कई बूथों पर अधिकारियों द्वारा कोई एक्शन नहीं लिया गया। जिसका नतीजा है कि आज फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

जिला अधिकारी ने साइबर क्राइम को जांच का जिम्मा सौंप कर रिपोर्ट मंगवाई है क्योंकि बहुत से कार्यकर्ता एवं नेता तथा पार्टी के पदाधिकारी द्वारा ऐसी गलती की गई । जिला अधिकारी ने साइबर क्राइम को सख्त से सख्त जांच करने के दिशा निर्देश जारी किए हैं। क्योंकि मतदान के वक्त ईवीएम मशीन की या वीवीपैट के फोटो खींचना अपराध माना जाता है अगर अपराध सिद्ध होता है तो दोषी को 1 साल की कैद और जुर्माना देना पड़ता है।

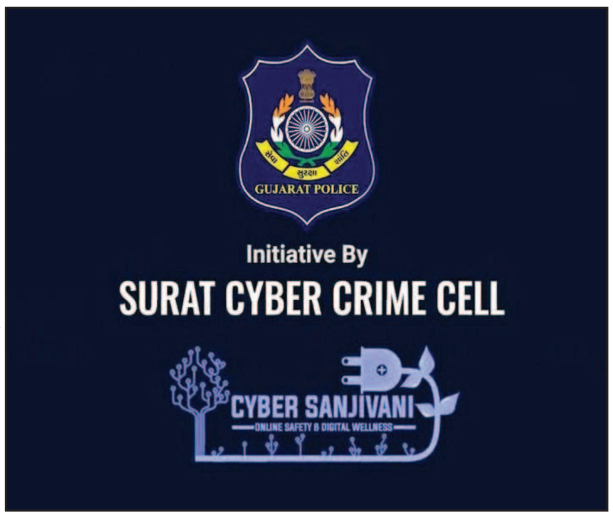

अवैध बांधकाम के भ्रष्टाचार की सियासत से बदल सकती है सरकार

सूरत भूमि, सूरत। लिंबायत जोन के अधिकारियों द्वारा अवैध निर्माण को इस तरह बढ़ावा दिया जा रहा है की बिल्डर बेखौफ होकर मार्जिंग सी.ओ.पी. और कॉमन प्लॉटों में धड़ल्ले से अवैध निर्माण कर रहा है। बार-बार शिकायत करने पर भी अधिकारि कुंभकरण की नींद में सोए हो ऐसा प्रतीत हो रहा है, क्योंकि पिछले कई महीनों से गोड़ादरा में पुलिस स्टेशन के सामने बन रहे अमिटी स्कूल के अवैध निर्माण में जोरो से चल रहा है। यहां तक की आचार संहिता होने का फायदा उठाते हुए बिल्डर ने एक के बाद एक फ्लोर तैयार कर दिया और अधिकारी हाथ पर हाथ रखे रह गए। आखिर एक गरीब का मकान बनता है तो अधिकारी तुरंत उस निर्माण को तोड़ने के लिए पहुंच जाते हैं, क्योंकि वह निर्माण करने वाला पूंजीपति नहीं होता है गरीब होता है।

वीआर मॉल में पार्किंग चार्ज वसूलने को लेकर उठा विवाद, पुलिस शिकायत दर्ज

सूरत।

सूरत के डुमस रोड स्थित वीआर मॉल में पार्किंग को लेकर कार चालक और सिक्योरिटी गार्ड में हुई कहासुनी। मॉल में काम करने आए एक कार मालिक ने जब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ पार्किंग शुल्क वसूलते पाए गए तो पार्किंग मैनेजर को नियम दिखाएं। हालांकि पार्किंग चार्ज मांगने पर कार मालिक और मॉल प्रबंधन में कहासुनी हो गई। सुप्रीम कोर्ट के नियमों का पालन करने वाले कार मालिक ने पार्किंग चार्ज नहीं दिया और उसकी कार को

मॉल के पार्किंग ठेकेदार ने लॉक कर दिया।

घंटों विवाह चलने के बाद मामला पुलिस स्टेशन पहुंचा। कार मालिक संजय जावा अपने निजी काम के लिए वीआर मॉल में आए थे वहां कुछ समय के लिए काम होने के कारण उन्होंने कार वेजमेंट में खड़ी की थी। इसी दौरान कर्मचारियों ने बेसमेंट में कार पार्किंग चार्ज वसूल करने के लिए पैसे की मांग की तो संजय जवानी सुप्रीम कोर्ट का रुख दिखाते हुए पैसे देने से साफ इनकार किया।

कार मालिक संजय जवानी सुप्रीम कोर्ट का नियम याद दिलाते हुए कहा कि मल्टीप्लेक्स मॉल की पार्किंग में यदि कार 1 घंटे से कम समय के लिए बात की जाए तो प्रबंधन किसी भी तरह का शुल्क वसूल नहीं कर सकता है। हालांकि वीआर मॉल के प्रबंधक ने इस बात को मानने से इनकार किया और उन्होंने पार्किंग शुल्क नहीं देने पर कार को लॉक करने की धमकी दी। कार मालिक संजय जमाने का कार खड़ी कर दी वहीं पर और बिना पार्किंग शुल्क चुकाए चले गए। 10 से 15 मिनट बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी कार लॉक थी।

इस विवाद को लेकर पार्किंग शुल्क वसूल कर रहे कर्मचारियों से घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला। इसके बाद कार मालिक ने 100 नंबर पर पुलिस को कॉल किया और फिर पुलिस ने मामले में हस्तक्षेप किया और कार का लॉक खुलवाया। उसके बाद कार मालिक ने घटना को लेकर उमरा थाने में विस्तृत शिकायत दर्ज करवाई। माल प्रबंधकों की मनमानी और पार्किंग के नाम पर नियमों के उल्लंघन के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

गुमशुदा की खबर

नाम: विवेश राय
उम्र: 24 वर्ष
पिता का नाम: सुखदेव राय
गांव: उत्तर दिनाजपुर
कल्याण गंज थाना
वेस्ट बंगाल 733129

यह लड़का यहां जलवा पंचायत में रहता है और एसीआर कंपनी में काम करने आया था और मेले में घूमने गया और यहीं से 1 महीने से जोलवा पाटिया से लापता हो गया है। किसी भी व्यक्ति को यह लड़का दिखे तो नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें

7501731328, 9621045167, 9735305975

सूरत में बेकाबू घोड़े के पिछले पैर से लात मारने के बाद इलाज के दौरान अधेड़ की हुई मौत

सूरत।

सूरत के आसपास नगर 2 में अधेड़ व्यक्ति अपने घर के पास बैठा था। एकाएक ही रास्ते में बेकाबू घोड़ा उसके घर के सामने दौड़कर आया। अधेड़ व्यक्ति कुछ समझ के हटता उसके पहले ही घोड़े ने व्यक्ति को लात मार दी। जिस कारण वश इलाज के लिए अधेड़ व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

इलाज के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। आसपास नगर में रहने वाले लिंबा शंकर पाटील नाम के अधेड़ व्यक्ति शाम के समय अपने घर के पास बैठे थे। सूत्रों से मिली जानकारी से पता चलता है कि व्यक्ति रोज शाम के समय वहां बैठता था।

आज जब वह अपने घर के पास बैठा था तभी एकाएक ही रास्ते पर बेकाबू घोड़ा दौड़ता हुआ आया। अधेड़ को रास्ते में खड़ा देखते ही घोड़े ने उसे लात मारी। घोड़े का पैर लगते ही अधेड़ जोर से चिल्लाया और उसे गंभीर चोट लगी। इलाज के लिए उन्हें किरण हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया।

निंबा पाटिल के परिवार वाले भी घटना को लेकर आश्चर्य में पड़ गए। एका एक ही परिवार के सभ्य के मौत ने परिवार को शोक में डाल दिया है। घोड़ा एकाएक कैसे रस्ते में आया इसकी कोई स्पष्टता अभी तक नहीं प्राप्त

हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही लिंबायत पुलिस ने अकस्मात फरियाद दर्ज करके कार्रवाई शुरू की।

एक विवाह ऐसा भी...
मुकबधीर जोड़े की शादी के लिए रांदेर पुलिस बनी वजह

सूरत।

आर्थिक तंगी के कारण प्रभुत्व जमाने में असमर्थ मुकबधीर दंपत्ति का सप्तपदी जाने का सपना आखिरकार रांदेर पुलिस ने पूरा कर दिया है। पढ़ाई के दौरान एक-दूसरे के संपर्क में आए युवक-युवतियां लंबे समय से शादी करना चाहते थे। हालांकि, लड़की द्वारा सी टीम से संपर्क किया गया क्योंकि उसकी आर्थिक स्थिति इस सपने को पूरा करने में बाधा साबित हुई।

जिसके तहत आज रांदेर पुलिस द्वारा इस जोड़े का विवाह भवानीशंकर महादेव मंदिर में धूमधाम से कराया गया।

पालनपुर पटिया की रहने वाली 19 साल की सुमन विसावेद और पांडेसरा के रहने वाले 22 साल के चिराग पटेल की पहली मुलाकात मुकबधीर स्कूल में हुई थी। पहली मुलाकात के बाद इन दोनों लव बर्ड्स को एक-दूसरे से प्यार हो गया और उन्होंने जीवन भर साथ रहने का आह्वान किया। हालांकि, अपने परिवारों की मर्जी से शादी के बंधन में बंधने को तैयार इन दोनों जोड़ों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण लंबे समय तक इनके शादी के सपने पूरे नहीं हो पाए। इस दौरान सुमन ने पूरे चैप्टर को लेकर पुलिस कमिश्नर द्वारा शुरू की गई स्पेशल ब्रांच सी टीम से संपर्क किया। जहां युवती सुमन ने पूरी सच्चाई बताई तो महिला पुलिस ममताबेन ने रांदेर पीआई अतुल सोनारा से संपर्क किया।

एक तरफ चुनावी सरगर्मी तो दूसरी तरफ रांदेर पुलिस इस जोड़े की मुराद पूरी करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती थी। बेशक चुनाव संपन्न होते ही रांदेर पुलिस द्वारा इस जोड़े का नई शुरीआत के लिए कदम उठाने की तैयारी कर ली गई और इसी के तहत तापी नदी के तट पर भवानीशंकर महादेव मंदिर में परिवार के साथ करीब 150 मेहमानों की मौजूदगी में धूमधाम से विवाह समारोह संपन्न हुआ। पुलिस द्वारा आयोजित शादी समारोह में मौजूद सभी मेहमान यह दृश्य देखकर हैरान रह गए।

चुनाव के बाद मुहूर्त इसलिए लिया गया ताकि शादी में किसी तरह की अनबन न हो एक प्रेमी जोड़े के शादी करने के सपने को पूरा करने के लिए पीआई सोनारा द्वारा हरसम्भव सहाय करने को कहा गया था।

हालांकि इसी बीच चुनाव की हड़बड़ी के चलते पीआई अतुल सोनारा ने चुनाव के बाद शादी समारोह आयोजित करने का फैसला किया ताकि शादी समारोह में किसी तरह की गड़बड़ी न हो। इस अनोखे विवाह समारोह में डीसीपी जोन-5 के अधिकारी हर्षद मेहता भी मौजूद रहे और नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया।

अमरेली के मोटा आंकडिया गांव के पास एक इनोवा कार संतुलन खोकर 8 फीट खाई में जा गिरी

सूरत।

अमरेली जिले में आए दिन छोटी बड़ी दुर्घटना की घटनाएं सामने आ रही हैं। हादसा अमरेली तालुका के मोटा आंकड़िया और अमरापुर के बीच हुआ है।

इस हाइवे पर जब इनोवा कार पूरी रफ्तार से जा रही थी तो इनोवा में एक ही चालक था और तेज गति के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया जिससे आठ फीट दूर सड़क किनारे जा गिरी और अन्य वाहनों से जा टकराई। इनोवा खाई में गिरने से चालक को मामूली चोटें आई और इनोवा कार क्षतिग्रस्त हो गई।

उधर, स्थानीय चालकों ने आसपास के लोगों को दौड़ाकर इनोवा कार चालक को बाहर निकाला।

छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं

अमरेली जिले में कई राजमार्ग जर्जर हैं, जिससे दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। साथ ही चालक दो तरह से वाहन चला रहे हैं, जिससे संतुलन बिगड़ने से दुर्घटनाएं हो रही हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)